Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 147 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, मंगलवार 29 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, 5 वर्षीय बच्ची की मौत

नोएडा। नोएडा सेक्टर-20 थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच वर्षीय मासूम बच्ची की जान चली गई और स्कूटी सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे की खबर मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए कार सवार दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, स्कूटी सवार गुल मोहम्मद अपनी 5 वर्षीय बेटी को चाइल्ड पीजीआई अस्पताल दिखाने जा रहे थे। उनके साथ एक अन्य युवक राजा भी मौजूद था। जैसे ही उनकी स्कूटी सेक्टर-20 थाना क्षेत्र में पहुंची, तेज रफ्तार से आ रही बीएमडब्ल्यू कार ने सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी सवार तीनों लोग सड़क पर दूर जाकर गिरे। इस हादसे में गुल मोहम्मद की बेटी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई,

संगठित अपराध और अराजकता का केंद्र बनकर रह गया हरियाणा : कुमारी सैलजा

चंडीगढ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा हे कि जिस हरियाणा पहचान हरियाली और खुशहाली के रूप में होती थी, आज उसकी पहचान रोजाना हो रही ताबड़तोड़ फायरिंग को लेकर होती है। बेकाबू अपराध के चलते आम आदमी का जीना मुहाल हो गया है। फायरिंग, फिरौती, रंगदारी, लूट, डकैती, हत्या और दुष्कर्म लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा सरकार लगातार जनता के इस दर्द को अनदेखा कर रही है। कानून व्यवस्था के बिगड़े हालात को देखकर यहीं कहा जा सकता है कि प्रदेश में भाजपा सरकार लाचार खड़ी और प्रदेश में माफिया और जंगलराज है। मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा के 11 साल के राज में अपराधियों का मनोबल सातवें आसमान पर है, नतीजा आम आदमी भय के साये में जीने को मजबूर है।

ऑपरेशन सिंदूर : राजनाथ सिंह का पाकिस्तान पर तंज

भारत शेर है...मेंढकों से नहीं लड़ता आतंकवाद पर होगा वार

नई दिल्ली/ एजेंसी

सदन में व्यवधान के कारण शुरुआती देरी के बाद सोमवार को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू हुई। यह चर्चा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के संबोधन के साथ दोपहर 12 बजे शुरू होनी थी। लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही लगातार तीन बार स्थगित करनी पड़ी, जिससे चर्चा शुरू होने का समय आगे बढ़ गया। बाद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दोपहर 2 बजे लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर' केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का निर्णायक प्रकटीकरण था। राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि मैं उन सैनिकों को नमन करता हूँ जिन्होंने भारत की अखंडता के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। यह सिर्फ़ एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि आतंकवाद के ख़िलाफ़ एक निर्णायक प्रदर्शन था। उन्होंने कहा कि पहलगाम में धर्म पूछकर नागरिकों की हत्या कर दी गई। प्रधानमंत्री मोदी ने सशस्त्र बलों को खुली छूट दे दी। हमारे पास कई विकल्प थे। लेकिन हमने वह विकल्प चुना जिससे पाकिस्तानी नागरिकों को कोई नुकसान न हो और सिर्फ़ आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया जाए। हमने 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक निशाना साधा। 100 से ज़्यादा आतंकवादी मारे गए। राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि हमारे सशस्त्र बलों द्वारा किए गए सुनियोजित हमलों में आतंकवादी

ढाँचे के 9 ठिकानों पर सटीक निशाना साधा गया। इस सैन्य अभियान में, अनुमान है कि सौ से ज़्यादा आतंकवादी, उनके प्रशिक्षक, आका और सहयोगी मारे गए। इनमें से ज़्यादातर जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिज़्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकवादी संगठनों से जुड़े थे। उन्होंने कहा कि पूरा ऑपरेशन 22 मिनट के भीतर पूरा कर लिया गया। उन्होंने कहा कि भारत के आतंकवादी शिविरों पर हमले के बाद भारतीय डीजीएमओ ने पाकिस्तानी डीजीएमओ को सूचित किया और कहा कि हम हालात को और खराब नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सशस्त्र बल अपने सभी उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रहे। रक्षा मंत्री ने लोकसभा में कहा कि एस-400, आकाश मिसाइल प्रणाली, वायु रक्षा बंदूकें बहुत उपयोगी साबित हुईं और पाकिस्तान के इस हमले को पूरी तरह से विफल कर दिया। उन्होंने सौफ तौर पर कहा कि दुश्मन के हर मंसूबे पर पानी फेरा गया है। पाकिस्तान एक भी टारगेट हिट नहीं कर पाया। उन्होंने कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हमारी वायु रक्षा प्रणाली, ड्रोन-रोधी प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों ने पाकिस्तान के इस हमले को पूरी तरह विफल कर दिया।

पाकिस्तान हमारे किसी भी लक्ष्य को भेद नहीं सका और हमारी किसी भी महत्वपूर्ण संपत्ति को नुकसान नहीं पहुँचा। हमारी सुरक्षा व्यवस्था अभेद्य थी और हर हमले को नाकाम कर दिया गया। लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य सीमा पार करना या वहां के इलाके पर कब्जा करना नहीं था। ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने का उद्देश्य उन आतंकी नर्सरियों को खत्म करना था, जिन्हें पाकिस्तान ने कई वर्षों से पोषित किया था। उन्होंने कहा कियह ऑपरेशन उन परिवारों को न्याय दिलाने के लिए शुरू किया गया था जिन्होंने आतंकी हमले में अपनों को खोया था... ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य सीमा पार करना या किसी इलाके पर कब्ज़ा करना नहीं था। राजनाथ सिंह ने

बिहार एसआईआर केस

रोक लगाने से इनकार,सुप्रीम ने फिर कहा-आधार और वोटर आईडी को माना जाए वैध दस्तावेज.....

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में आधार और मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) को वैध दस्तावेज़ के रूप में स्वीकार करने में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) की अनिच्छा पर सवाल उठाया और कहा कि कोई भी दस्तावेज़ जाली हो सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग के बहिष्कार के रवैये पर चिंता व्यक्त की और सत्यापन प्रक्रिया में दोनों दस्तावेज़ों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि दुनिया का कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है। उन्होंने चुनाव आयोग से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि आधार और ईपीआईसी को पूरी तरह से स्वीकार क्यों नहीं किया जा रहा है, जबकि पंजीकरण फॉर्म में आधार पहले से ही

मांगा जा रहा है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने कहा कि ईसीआई द्वारा सूचीबद्ध कोई भी दस्तावेज जाली हो सकता है और स्वीकार्य दस्तावेजों की सूची से केवल आधार कार्ड और चुनावी फ़ोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) को बाहर करने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया। अदालत ने कहा कि इन दोनों दस्तावेज़ों को शामिल करें। कल आपको सिर्फ़आधार ही नहीं, बल्कि 11 में से 11 दस्तावेज़ भी जाली दिख सकते हैं। यह एक अलग मुद्दा है। लेकिन हम सामूहिक बहिष्कार पर हैं। इसे सामूहिक समावेशन होना चाहिए। कृपया आधार को भी शामिल करें। न्यायालय राज्य विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग के 24 जून के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, यह कदम संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 325 और 326 का उल्लंघन करता है और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के तहत निर्धारित प्रक्रिया से विचलित करता है।

मारे गये नक्सलियों की हुई पहचान : दो महिला नक्सली सहित 17 लाख के चार इनामी माओवादी ढेर

बीजापुर। बीजापुर में शनिवार को जिले के दक्षिण-पश्चिमी जंगल क्षेत्र में चलाए गए एक विशेष सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में चार इनामी नक्सली मारे गए हैं। मारे गए नक्सलियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। इन सभी पर 17 लाख का इनाम घोषित था। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि बासागुड़ा और गंगलूर थाना क्षेत्र के सीमावर्ती घने जंगलों में नक्सली गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना पर डीआरजी बीजापुर द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। यह मुठभेड़ 26 जुलाई की शाम से शुरू होकर रुक-रुक कर देर रात तक जारी रही।

ममता ने छेड़ा दूसरा भाषा आंदोलन

अपनी अस्मिता और मातृ भाषा को नहीं भूल सकते

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर कथित हमलों के खिलाफ बोलपुर में विरोध मार्च किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप सबकुछ भूल सकते हैं, लेकिन आपको अपनी 'अस्मिता', मातृभाषा, मातृभूमि नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हूँ, मेरा मानना है कि विविधता में एकता ही हमारे राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि अगर हम बंगाल में 1.5 करोड़ प्रवासी मज़दूरों को आश्रय दे सकते हैं, तो आप दूसरे राज्यों में काम कर रहे 22 लाख बंगाली

प्रवासियों को क्यों नहीं स्वीकार कर सकते। भावनाओं और प्रतीकों से भरपूर यह विरोध मार्च 'टूरिस्ट लॉज' चौराहे से शुरू हुआ और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि पर तीन किलोमीटर की दूरी तय कर जम्बोनी बस अड्डे पर समाप्त हुआ।

ऐसा करने वाली बनी पहली भारतीय महिला

दिव्या ने जीता महिला चेस वर्ल्ड कप का खिताब.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 अपने नाम कर लिया है। जॉर्जिया में हुए इस वर्ल्ड कप फाइनल में 19 वर्षीय दिव्या ने इस दौरान हमवतन कोनेरू हम्पी को शिकस्त देते हुए ये खिताब अपने नाम किया। पिछले साल ही दिव्या ने जूनियर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था । भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने महिला चेस वर्ल्ड कप 2025 अपने नाम कर लिया है। जॉर्जिया में हुए इस वर्ल्ड कप फाइनल में 19 वर्षीय दिव्या ने इस दौरान हमवतन कोनेरू हम्पी को शिकस्त देते हुए ये खिताब अपने

नाम किया। पिछले साल ही दिव्या ने जूनियर वर्ल्ड चैंपियन का खिताब जीता था और अब वह महिला चेस वर्ल्ड कप की चैंपियन बन गई हैं। ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी हैं। फाइनल मुकाबले में दोनों भारतीय दिग्गजों के बीच जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। दोनों क्लासिकल गेम्स ड्रॉ रहे, जिसके बाद फैसला रैपिड टाईब्रेकर में हुआ। दिव्या देशमुख ने हम्पी को 1.5-0.5 से हराकर न केवल खिताब जीता बल्कि एक नया इतिहास भी रच दिया। वह शतरंज वर्ल्ड कप जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। इस बेहतरीन जीत के साथ ही दिव्या देशमुख भारत की 88वीं ग्रैंडमास्टर भी बन गईं हैं। ग्रैंडमास्टर की उपाधि शतरंज की दुनिया में सबसे प्रतिष्ठित मानी जीता है और इसे हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के करियर की सबसे बडी उपलब्धियो में से एक होता है।

स्वर्ण मंदिर धमकी मामला : कांग्रेस ने केंद्र और पंजाब सरकार से मांगी जवाबदेही

पंजाब। अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी का मुद्दा दिल्ली में संसद तक पहुंचा है। कांग्रेस सांसदों ने पंजाब सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाए और केंद्रीय गृह मंत्री से मामले की जांच कराने की मांग की। कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा, लगातार ईमेल आ रहे हैं। एक व्यक्ति पकड़ा गया, लेकिन गिरफ्तारी के बाद भी ईमेल आते रहे। उन्होंने कहा कि गलत व्यक्ति पकड़ा गया है और धमकी दी कि वे हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) को उड़ा देंगे। राजा वड़िंग ने आगे कहा, हम चाहते हैं कि केंद्रीय गृह मंत्री इस पर बात रखें और बताएं कि कौन धमकी दे रहा है?

पार्टी लाइन मानने से इनकार!

ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में नहीं बोलेंगे शशि थरूर

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर की आलोचना करने वाली लोकसभा बहस में भाग लेने के पार्टी नेतृत्व के अनुरोध को ठुकरा दिया है। सोमवार को पार्टी सूत्रों ने इस बात का दावा किया। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व ने ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में बहस में भाग लेने के लिए शशि थरूर से संपर्क किया था। हालाँकि, थरूर ने कथित तौर पर यह कहते हुए मना कर दिया कि वह ऑपरेशन को लेकर सरकार की आलोचना करने की पार्टी लाइन का पालन

नहीं कर सकते। थरूर ने स्पष्ट किया कि वह ऑपरेशन सिंदूर को एक सफलता मानते हैं और इस मामले पर उनका रुख अपरिवर्तित है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें सदन में बोलने का मौका मिला, तो वह अपनी यही बात दोहराएँगे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, विपक्ष के नेता/उपनेता के कार्यालय ने थरूर से लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बोलने के लिए संपर्क किया था। हालाँकि, थरूर ने कहा कि वह वही बोलेंगे जो अब तक कहते आए हैं और उससे अलग नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर उन्हें सफल लगा, और वह वही बात आगे भी कहेंगे। चूँकि उन्हें इस मुद्दे पर पार्टी के आलोचनात्मक रुख के साथ तालमेल बिठाने का निर्देश दिया गया था, इसलिए उन्होंने अंततः बहस में बोलने से इनकार कर दिया।

विपक्ष पर भड़के किरेन रिजिजू

अब ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से क्यों भाग रहे...

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होने से पहले ही लोकसभा स्थगित होने पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर वार किया है। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस और विपक्ष अब ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा से क्यों भाग रहे हैं? उन्होंने कहा कि हम सभी चर्चा के लिए तैयार थे। चर्चा शुरू होने से 10 मिनट पहले, विपक्ष ने अपना एजेंडा पेश किया कि सरकार एक निश्चित समय सीमा तय करे कि इसके बाद स्क्रिप्ट के मुद्दे पर चर्चा होगी। चर्चा शुरू होने से ठीक 10 मिनट पहले ऐसी शर्त लाना ठीक नहीं है। रिजिजू ने कहा कि विपक्ष ने यू-टर्न ले लिया है। यह नहीं चलेगा। संसद की कार्यवाही फिर से शुरू होगी। रक्षा मंत्री बहस की शुरुआत करेंगे। मैं सभी से आग्रह करता हूँ कि वे उनकी बात सुनें। किसी भी विपक्षी दल को पाकिस्तान की भाषा नहीं बोलनी चाहिए। आपको बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू होने से पहले विपक्षी सांसदों ने लोकसभा में नारेबाजी जारी रखी।

जम्मू-कश्मीर में सेना को बड़ी कामयाबी

लिडवास में तीन आतंकी ढेर,पहलगाम हमले से जुड़े हो सकते हैं दहशतगर्द

जम्मू/ एजेंसी

श्रीनगर के हरवान इलाके में जारी मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। आतंकियों के खिलाफ इस कार्रवाई को ऑपरेशन महादेव नाम दिया गया है। माना जा रहा है कि इस ऑपरेशन में जिन आतंकियों को ढेर किया गया है, उनका संबंध पहलगाम में हुए आतंकी हमले से है। इस ऑपरेशन में अब तक तीन आतंकियों को मार गिराया गया है। ये आतंकी लंबे समय से सक्रिय और वांछित थे। मुठभेड़ अब भी जारी है, इलाके में सर्च ऑपरेशन चल रहा है। सुरक्षा बल पूरी सतर्कता से अभियान को अंजाम दे रहे हैं। लिडवास के सामान्य क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन महादेव पर भारतीय सेना की चिनार कोर ने कहा, एक गहन गोलीबारी में तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया है। ऑपरेशन जारी है। जानकारी के अनुसार, श्रीनगर जिले के हरवन इलाके में सोमवार को एक कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी की आवाजें सुनाई दीं। जंगल क्षेत्र में संदिग्ध आतंकियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने घेराबंदी की। जिसमें तीन आतंकियों को मार गिराने में

सफलता हासिल की। जबकि दो आतंकियों के घायल होने की खबर है। इस अभियान में 50 राष्ट्रीय राइफल्स , 24 क्क श्रीनगर पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें शामिल हैं। सेना की चिनार कोर ने बताया कि तीन आतंकियों को एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है, ऑपरेशन अब भी जारी है। मारे गए आतंकियों की पहचान और उनका किस संगठन से संबंध था, इसका पता लगाया जा रहा है। यह ऑपरेशन उन आतंकियों की तलाश में शुरू किया गया था, जो अप्रैल में पहलगाम हमले में शामिल हो सकते हैं, जिसमें 26 लोगों की मौत हुई थी। हाल के खुफ़िया इनपुट में यह संकेत मिला था कि संदिग्ध आतंकी दाछिगाम की ओर बढ़ सकते हैं। सोमवार सुबह हरवान के मुलनार इलाके में खुफ़िया सूचना के आधार पर अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान गोलियों की आवाजें सुनी गईं।

संक्षिप्त समाचार

द्वितीय वाहिनी केरिपुबल ने हर्षोल्लास के साथ मनाया 87वां स्थापना दिवस, रक्तदान शिविर का आयोजन

87वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

दंतेवाडा (समय दर्शन)। द्वितीय वाहिनी केरिपुबल मुख्यालय में 27 जुलाई को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का 87वां स्थापना दिवस कमांडेंट श्री कमलेश कुमार के नेतृत्व में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय और सभी समवायों में उत्साहपूर्ण आयोजन किए गए।

रक्तदान शिविर का आयोजन, 27 यूनिट रक्त दान- स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 28 जुलाई को वाहिनी मुख्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कमांडेंट कमलेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी विवेक सक्सेना, द्वितीय कमान अधिकारी (परि.) अश्वनी कुमार मिश्रा, और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नितेश नानाजी परचाके ने रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. रवि कुमार जागड़े, टेक्नोलॉजिस्ट अजय जायसवाल, निरीक्षक/आरओ डी. कृष्णमूर्ति, निरीक्षक/मंत्रा. सत्य प्रकाश शुक्ला सहित अन्य जवानों की उपस्थिति में बल के अधिकारियों और कार्मिकों ने स्वेच्छा से 27 यूनिट रक्त दान किया।

रक्तदान के लाभों पर जोर- कमांडेंट श्री कमलेश कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि रक्तदान न केवल जरूरतमंदों के लिए जीवन रक्षक है, बल्कि यह दानकर्ता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। यह नई रक्त कोशिकाओं के निर्माण को प्रोत्साहित करता है, हृदय रोग और कैंसर के जोखिम को कम करता है। इस शिविर का उद्देश्य स्थापना दिवस को चिह्नित करना और समाज में रक्त की आवश्यकता को पूरा करना था।

हरियाली के उल्लास में सजी सावन सुंदरी, महिलाओं ने दिखाया उत्साह और हुनर

राजनांदगांव। सावन के पावन माह में हरियाली के उपलक्ष्य में दक्षिण भाजपा मंडल महिला समूह और नारी कल्याण स्व सहायता समूह वार्ड 36 के संयुक्त तत्वावधान में लखोली में सावन सुंदरी कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। पारंपरिक परिधानों और सोलह श्रृंगार से सजी महिलाओं ने इस आयोजन को खास बना दिया।

कार्यक्रम में वार्ड की महिलाओं ने मिलकर सोलह सिंगार, वेशभूषा, बिंदी लगाओ, रिकॉर्डिंग डांस सहित कई पारंपरिक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। सावन के झूले ने कार्यक्रम में उत्सव का रंग भर दिया।

मुख्य अतिथि पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, दक्षिण मंडल अध्यक्ष गोलू गुप्ता, अशोकादित्य श्रीवास्तव, रेनू सूर्यवंशी, गीता साहू, पार्षद चंद्रिका साहू और पूर्व पार्षद मिथलेश्वरी वैष्णव की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम और भी खास बन गया। पूर्व सांसद ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा, महिलाओं की भागीदारी ऐसे आयोजनों को सार्थक बनाती है। ये हमारी संस्कृति और सशक्तिकरण का प्रतीक हैं।

प्रतियोगिता में सावन सुंदरी दिव्या साहू, सोलह सिंगार प्रथम नीलम, द्वितीय रानी साहू, वेशभूषा जानकी (जनक) बाई साहू, बिंदी लगाओ में प्रथम मालती साहू, द्वितीय राधा देवांगन, रिकॉर्डिंग डांस दृ में प्रथम रश्मि साहू, द्वितीय दामिनी साहू विजेता रहे।

कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। पूर्व सांसद ने मंच से सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए छत्तीसगढ़ की महिलाओं को गौरव बताया।

इस आयोजन को सफल बनाने में रश्मि साहू, सरस्वती साहू, राधिका साहू, मालती साहू, रीमा साहू, नीतू साहू, दिलेश्वरी यादव, सुकून यादव, रामेश्वरी यादव, जानकी बाई साहू, दिव्या साहू समेत नारी कल्याण स्व सहायता समूह की भूमिका सराहनीय रही।

सावन की हरियाली और महिलाओं की सहभागिता ने इस आयोजन को यादगार बना दिया।

राजस्व काम काज ठप्प, लोग परेशान

अपनी17 सूत्रीय मांगो को लेकर तहसीलदार व नायब तहसीलदार तीन दिवसीय हड़ताल पर

महासमुंद(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले संसाधन नही तो काम नही सहित 17 सूत्रीय मांग को लेकर महासमुंद जिले के तहसीलदार व नायब तहसीलदार आज से तीन दिवसीय हड़ताल पर चले गये है ।

इनकी मांग है कि सभी तहसील में स्वीकृत सेटअप की पदस्थापना, तहसीलदार से डिप्टी कलेक्टर पर पदोन्नति प्रक्रिया में 50-50 अनुपात रखा जाये। नायब तहसीलदार पद को भी राजपत्रित की जावे, ग्रेड पे में शीघ्र सुधार, शासकीय वाहन की उपलब्धता, निलंबन से बहाली, न्यायालयीन आदेशों पर स्थगन नही, न्यायालय में उपस्थिति हेतु व्यवस्था, मानदेय भुगतान एवं नियुक्ति, प्रशिक्षित आपरेटर की नियुक्ति, स्थानांतरण की बहाली, व्यक्तिगत मोबाइल नंबर गोपनीयता, सुरक्षाकर्मी, सड़क दुर्घटना मे मुआवजा की व्यवस्था, संघ की मान्यता, विशेषज्ञ कमेटी का गठन आदि मांगे हैं ।

जिलास्तरीय हड़ताल पश्चात 29 जुलाई को संभाग स्तर पर एवं 30 जुलाई को प्रांत स्तर पर हड़ताल पर रहेंगे । तहसीलदार जुगल किशोर पटेल व श्रीधर पंडा ने बताया कि 30 जुलाई को शासन से हमारा प्रतिनिधिमंडल मुलाकात करेगा, उसके बाद आगे की रणनीति बनाई जायेगी ।

गौरतलब है कि जिले के 6 तहसीलों में 16 नायब तहसीलदार व तहसीलदार है ।

इनके हड़ताल पर चले जाने से राजस्व का काम ठप सा हो गया है। पूर्व में तहसीलदार व नायब तहसीलदार छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले 17 सूत्रीय मांग के संदर्भ मे शासन को आवेदन देकर अवगत कराया गया था कि 26 जुलाई तक मांग पूरी नही होती है तो हम हड़ताल पर जायेंगे ।

जय भारत स्कूल में हरेली पर्व धूमधाम से संपन्न

बिर्रा (समय दर्शन)। जय भारत इंग्लिश मीडियम स्कूल, बिर्रा में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति और कृषि परंपरा को समर्पित हरेली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार कृषि यंत्रों की पूजा के साथ किया गया।

कार्यक्रम में गेंड़ी चढ़ना, रस्साकशी, व लोकनृत्य जैसे पारंपरिक खेलों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। विद्यार्थियों ने छत्तीसगढ़ी गीतों पर शानदार प्रस्तुतियाँ दीं। पर्यावरण जागरूकता के तहत विद्यार्थियों द्वारा हरियाली पर पोस्टर और नारा लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

विद्यालय के प्राचार्य श्री राम मनहर जी ने हरेली पर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व हमारी धरती, किसान और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का उत्सव है।

एनएमडीसी किरन्दुल की सीएसआर पहल: कोडेनार में 79.39 लाख रुपये की लागत से 20 बेड के अस्पताल का निर्माण शुरू

भूमिपूजन के साथ परियोजना का शुभारंभः अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण ने कोडेनार में अस्पताल निर्माण की आधारशिला रखी

स्थानीय समुदाय में उत्साहः कोडेनार सरपंच और नागरिकों ने एनएमडीसी के इस कदम के लिए जताया आभार।

दंतेवाडा किरंदुल (समय दर्शन)। एनएमडीसी किरन्दुल परियोजना ने अपनी सामाजिक नैगमिक दायित्व (सीएसआर) निधि के तहत कोडेनार पंचायत में 79 लाख 39 हजार 648 रुपये की लागत से 20 बेड के अस्पताल के निर्माण का निर्णय लिया है। इस परियोजना का शुभारंभ रविवार दोपहर 12 बजे एनएमडीसी किरन्दुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण ने पूरे विधि-विधान के साथ भूमिपूजन कर किया।

इस अवसर पर कोडेनार सरपंच मीना मंडावी सहित स्थानीय नागरिकों ने एनएमडीसी प्रबंधन का धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपमहाप्रबंधक (एचआर) के. एल. नागवेणी, उपमहाप्रबंधक (सिविल) टी. एस. रामानाथ, महाप्रबंधक (उत्पादन) के. पी. सिंह, प्रबंधक (सीएसआर) विवेक रक्षक, ए. के. सिंह, विनोद कश्यप, बी. एल. तारम, दामोदर सिंह नाग सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

यह अस्पताल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा और स्थानीय समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

न्यू आदर्श युवा संगठन ग्राम नंदिनी खुंदिनी के द्वारा पोला महोत्सव / तीज मिलन समारोह की तैयारी जोर शोर से

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। न्यू आदर्श युवा संगठन ग्राम नंदिनी खुंदिनी तहसील अहिवारा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में पोला महोत्सव एवं तिज मिलन समारोह आयोजन के संबंध मे संगठन के द्वारा भव्य बैठक (मीटिंग) रखा गया था जिसमे दिनांक 23/08/2025 दिन शनिवार को शाम 04 बजे से रात्रि 08 बजे तक सर्व समाज का पारम्परिक त्यौहार पोला महोत्सव मे कबड्डी / महिलाओ के लिये खुर्सी दौड तथा बच्चो के लिये शिक्षा प्रद कार्यक्रम होगा जिसमे प्रतिभागियो के लिये ईनाम भी रखा गया है दिनांक 26/08/2025 दिन मंगल वार को छत्तीसगढ़ के प्रसिध्द परामपरिक त्यौहार तिज मिलन समारोह का आयोजन रखा गया है जिसके उपलक्ष्य मे शाम 04 बजे से रात्रि 10 बजे तक छत्तीसगढी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है

संगठन के सभी पदाधिकारियो एवं सदस्यो की भव्य उपस्थिति मे संगठन मे आय व्यय एवं राशि का हिसाब किताब किया गया

संगठन मे नया सदस्य भी शामिल हुये तथा नये पदाधिकारियों का गठन भी हुआ और बैठक मे उपस्थित एवं समर्थन करने वाले श्री घनश्याम यादव (संरक्षक) , श्री लंकेश नाहटा (उप सरपंच) , श्री देवऋषि घिदोडे (अध्यक्ष),श्री जसपाल जांगड़े (उपाध्यक्ष) , श्री अजय डेहरे (सह उपाध्यक्ष) , श्री चितेश महिलांग (सचिव) , श्री संजय देशलहरे (उप सचिव) , श्री हरि शंकर घिदोडे (सह उपसचिव) श्री समीर जांगड़े (कोषाध्यक्ष), श्री खिलेश कुमार घिदोडे (उपकोषाध्यक्ष), श्री शंकर मार्कंडे (सह उपकोषाध्यक्ष) , श्री सँजु गायकवाड़ (सलाहकार) , डॉ सदानंद बक्शी (सलाहकार) , श्री सौरभ गायकवाड़ (संगठन वाहन चालक) श्री टुम्मन लाल जांगडे (मंच संचालन) , श्री होमन सिंग ठाकुर (पत्रकार), श्री खुलेश्वर साहु (यू टुबर), श्री पिन्केश साहु(फोटो ग्राफर) , श्री मुकेश महिलांग (पानी व्यवस्थापक) श्री संतोष साहु (पानी व्यवस्थापक) , मंच व्यवस्थापक , श्री रवि टंडन , श्री रवि निषाद , श्री राजेश जांगड़े , श्री दीपक ध्रुव , श्री धर्मेंद्र गेंड्रे , (टेन्ट व्यवस्थापक) श्री भगता हेमू साहु , श्री प्रह्लाद गेंड्रे , श्री राकेश निर्मलकर , श्री प्रकास जांगड़े , श्री अमन जांगड़े श्री नारायण देशलहरे , श्री किसु पाटिल , श्री धनसिंग घिदोडे , श्री प्रियांशु देशलहरे , (तोरण पताका व्यवस्थापक एवं सद्स्य गण) श्री हर्षवर्धन घिदोडे , श्री मुकेश जोशी , श्री बिट्टू घिदोडे , श्री आयुष पाटिल , श्री हरीश बंजारे , श्री निखिल चतुर्वेदी , श्री हिमाशु घिदोडे , श्री कैलाश जाँगड़े , श्री आर्यान देशलहरे , श्री अभिषेक सोनवानी , श्री भूपेन्द घिदोडे , श्री चीनटू गायकवाड , श्री रिशु लोहा , श्री आकाश जाँगड़े , श्री जयंत जोशी , श्री मोनु घिदोडे , श्री सागर घिदोडे , श्री रान्धिर घिदोडे , श्री होमन सिंह ठाकुर पत्रकार जाँगड़े , श्री लक्की टंडन , श्री खोमेन्द निर्मलकर , श्री राहुल डेहरे , श्री शेखर घिदोडे ,श्री सन्नी रोहित गायकवाड , श्री जे के डहरिया, की उपस्थिती मे भव्य बैठक सफ्लता पुर्वक सम्पन्न हुआ एवं आने वाले वर्ष 2026 को जनवरी मे होने एतिहासिक भव्य पंथी प्रतियोगिता एवं भव्य मंड़ई मेला की गोपनीय चर्चा हुई

कारगिल विजय दिवस: रानीतराई में शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि, देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रानीतराई (दुर्ग): स्व. दाऊ रामचन्द्र साहू शासकीय महाविद्यालय, रानीतराई में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को नमन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद एन.एस.एस. प्रभारी सुश्री रेणुका वर्मा ने इकाई के छात्रों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करवाया।

प्राचार्य डॉ. मिश्रा ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा, कारगिल विजय दिवस हमें हमारे जवानों के अद्वितीय बलिदान की याद दिलाता है। यह युवाओं के लिए प्रेरणा है कि वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। डॉ रेश्मी वासनीकर ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक महत्व और भारतीय सेना की अदम्य वीरता पर प्रकाश डाला।

छात्रों ने देशभक्ति गीत, कविता पाठ और नाटक के माध्यम से शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इसके साथ ही, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए महाविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया, जो देश और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक बना।

कार्यक्रम का समापन 'राष्ट्र गीत' के सामूहिक गायन और शहीदों को पुष्पांजलि के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल शहीदों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक था, बल्कि युवाओं में देशभक्ति और पर्यावरण संरक्षण की भावना को जागृत करने वाला एक शक्तिशाली संदेश भी दे गया। कार्यक्रम में डॉ रेश्मी वासनिकर, सुश्री भारती गायकवाड, श्रीमती अंबिका ठाकुर बर्मन एवं महाविद्यालय की विद्यार्थी शामिल रहे।

ज्ञान प्रतिभा पुस्तक का विमोचन उप मुख्यमंत्री अरुण साव के करकमलों से सम्पन्न

बागबाहरा (समय दर्शन)। कृषि उपज मंडी प्रांगण बागबाहरा में बीते दिन आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री माननीय अरुण साव केकरकमलों से शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला ठाकुरदिया कला, पिथौरा में पदस्थ डॉ.छबिराम पटेल राज्यपाल पुरस्कृत मिडिल स्कूल प्रधान पाठक एवं इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड होल्डर की नई पुस्तक ज्ञान प्रतिभा का विमोचन किया एवं उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दिए।

इस दौरान महासमुन्द लोकसभा की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी सहित बड़ी संख्या में लोग एवं जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

लेखक श्री पटेल की यह पुस्तक अंतर्राष्ट्रीय मानक नंबर आईएसबीएन से युक्त है। जो वैभव प्रकाशन रायपुर से प्रकाशित हुई है। जिसमें 2486 सूक्तियां, सुविचार शामिल हैं। जो जन मानस के व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी । यह पुस्तक 94 पृष्ठीय है। जिसकी कीमत 150 रुपए है। यह पुस्तक लेखक की 13 वें क्रम की पुस्तक है। इस संबंध में लेखक डॉ.छबिराम पटेल ने बताया कि इसके पहले भी उनकी सूक्तियां वाली 12 पुस्तकें ज्ञान दीप,ज्ञान सुधा ,ज्ञान मंजूषा,ज्ञान प्रभा, ज्ञानोदय,ज्ञान सरिता,ज्ञान पुंज,ज्ञान कुंज,ज्ञान मंजरी, ज्ञान सागर,ज्ञान ज्योति,ज्ञान सुरभि अंतरराष्ट्रीय मानक नंबर आई एस बी एन के साथ प्रकाशित हो चुकी हैं। जो सभी पुस्तकें जनमानस में बहुत लोकप्रिय हो चुकी हैं। साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए इन्हें चार बार डॉक्टरेट की मानद उपाधियों से सम्मानित किया चुका है।

डॉ.छबिराम पटेल की इस नई पुस्तक ज्ञान प्रतिभा को विमोचन किए जाने पर उन्हें महासमुन्द लोकसभा सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी,बसना विधायक डॉ.संपत लाल अग्रवाल, रायपुर विधायक पुरंदर मिश्रा,अखिल भारतीय अघरिया समाज की अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल, पूर्व अध्यक्ष प्रेमशंकर पटेल, पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू, पिथौरा नगर पंचायत अध्यक्ष देवेश निषाद,पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष मुकेश यादव,साहित्यकार शिवशंकर पटनायक,प्रवीण प्रवाह,संतोष गुप्ता,अनूप दीक्षित, एस के डडसेना,बीईओ श्रीमती लक्ष्मी डडसेना, बीआरसीसी नरेश कुमार पटेल,प्राचार्य आशाराम बरिहा,मयाधार प्रधान, व्याख्याता अंशुमन तांडी,महेंद्र कुमार चौधरी, सुधीर प्रधान,सुशील ओगरे,अमृतलाल पटेल, श्रीधर भोई, ब्लॉक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष उमेश दीक्षित, द्वारिका पटेल,रोहिणी कुमार देवांगन,अंतर्यामी प्रधान,लेखराम साहू, संतोष कुमार साहू, नरेश नायक,श्रीमती सरोज साव, रामकुमार नायक, अमरसिंह पटेल,जनपद पंचायत उपाध्यक्ष ब्रम्हानंद पटेल, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती राधा पटेल,जिला पत्रकार संघ के स्वप्निल तिवारी, परमीत माटा,गौरव चंद्राकर , आकाश अग्रवाल,बलराज नायडू, नंदकिशोर अग्रवाल,कीर्ति पांडे,पवन गुप्ता, आनंद भोई,शिक्षक मोहितराम पटेल,रोशन डडसेना, भागीरथी दीवान,तुलसी राम पटेल,कौतुक पटेल,नितेश साहू, विजयकुमार अनंत, प्रदीप पटेल एवं बाला चंद्राकर, प्रेमशंकर प्रधान,नरेश चंद्राकर,पूर्व सरपंच सुधीर प्रधान, सादराम पटेल,नयन प्रधान, रक्षापाल विशाल,शिव नायक, उप सरपंच भोगीलाल पटेल, मनोहर पटेल, रामप्यारे पटेल, नरेश्वर पटेल,त्रिलोकी पटेल, सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश सचिव दिनेश रावल सरपंच श्रीमती दुलेश्वरी दीवान सहित बड़ी संख्या में मित्र लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिए हैं।

छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति की स्वच्छता पहल को राष्ट्रीय मंच पर मिली पहचान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' में बिल्हा की मातृशक्ति का उल्लेख

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रसारित 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। इस अवसर पर श्री विकास मरकाम, श्री नवीन मार्कण्डेय, श्री अमित चिमनानी, श्रीमती हर्षिता पांडे, श्री अमित साहू सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने 'मन की बात' के 124वें संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि 'मन की बात' न केवल जन संवाद का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि यह देशभर के नवाचारों, जनप्रयासों और प्रेरणादायक कहानियों को सामने लाकर लोगों में नई ऊर्जा भरने का कार्य करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के लिए विशेष गौरव का विषय है, क्योंकि बिलासपुर जिले के नगर पंचायत बिल्हा में स्वच्छता के क्षेत्र में मातृशक्ति द्वारा किए गए नवाचार का उल्लेख स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यक्रम में किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिल्हा की महिलाओं को वेस्ट मैनेजमेंट की ट्रेनिंग दी गई और उन्होंने मिलकर शहर की तस्वीर बदल डाली। यह उल्लेख हम सभी छत्तीसगढ़वासियों के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बिल्हा की महिलाओं ने दिखा दिया कि जब संकल्प और सहयोग एक साथ हों, तो कोई भी बदलाव असंभव नहीं होता। स्वच्छता की इस मिसाल ने पूरे देश में छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। बिल्हा की महिलाओं ने अपने संकल्प से इसे देश का सबसे स्वच्छ शहर बना दिया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति ने स्वच्छता के क्षेत्र में जो नवाचार किया है, उसे आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में विशेष रूप से रेखांकित किया। यह दिखाता है कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से बनता हुआ एक सशक्त जनांदोलन है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ के 7 शहरों को स्वच्छ भारत मिशन के तहत माननीय राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है, जिनमें नगर पंचायत बिल्हा सहित अन्य नगरीय निकाय शामिल हैं। उन्होंने नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों, निगम आयुक्तों, सीएमओ, स्वच्छता दीदियों और सफाईकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सभी के समर्पण और मेहनत का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय मंचों पर सम्मानित हो रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी बताया कि हाल ही में जशपुर जिले के दौरे के दौरान उन्हें जानकारी मिली कि जिले के पाँचों नगरीय निकायों ने स्वच्छता रैंकिंग में अभूतपूर्व छलांग लगाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस उत्कृष्ट प्रदर्शन पर दो दिन पहले उन्होंने जशपुर में स्वच्छता दीदियों और कर्मियों को स्वयं सम्मानित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में एक सकारात्मक वातावरण बना है और हमारी सरकार ने जिस निष्ठा एवं संकल्प के साथ स्वच्छ भारत मिशन को लागू किया है, उसका परिणाम आज देश के सामने है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'मन की बात' आज देश के कोने-कोने की साधारण कहानियों को असाधारण प्रेरणा में बदलने वाला राष्ट्रीय अभियान बन गया है जो भारत के लोकतंत्र की जीवंतता का साक्षात प्रमाण है।

प्रगतिशील यादव महासंघ का मेंटल हेल्थ चेकअप कैंप

रायपुर। जनमानस को तनाव एवं अवसाद मुक्त करने की सकारात्मक सोच के साथ, ठंडी बयार और मानसूनी फुहार युक्त खुशनुमा माहौल में आज रविवार 27 जुलाई 2025 को आर्शीवाद भवन रायपुर में डॉ ल्यूनिक यदु , एमएस (आर्थो) की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ का मेंटल हेल्थ चेकअप एवं अवेयरनेस कैंप सानंद संपन्न हुआ। डॉक्टर ल्यूनिक ने यादव समाज की इस परिकल्पना की प्रशंसा करते हुए युवाओं को सलाह दी की धनोपार्जन के साथ-साथ वे अपने शरीर और परिवार का भी विशेष ख्याल रखें ।।

महासंघ के महासचिव निरंजन सिंह यादव ने बताया कि कैंप के प्रथम चरण में डॉ गीतेश अमरोहित, एमपीटी (न्यूरो) ने टेंशन, डिप्रेशन और अनिद्रा के मूलभूत कारणों पर प्रकाश डालते हुए पूछे गए प्रश्नों का तत्काल समाधान बताया। तत्पश्चात डॉक्टर अभिषेक गुप्ता एमडी (साइकेट्रिक) ने मनोपचार के निदान पर चर्चा करते हुए लगभग 15 पीड़ितों की ओपीडी को इलाज के नुस्खे के साथ हर हाल में खुश रहने की सलाह दी ।।

इस अवसर पर राधे राधे ब्वॉयज हॉस्टल कोटा की डायरेक्टर श्रीमती दीपा राजेश यादव ने महासंघ के भवन निर्माण हेतु रुपए 1,51,000/- लाख का चेक दिया। इस दरम्यान प्रतिभा इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग के डायरेक्टर श्रीमती सुनीता यादव तथा श्री कमल यादव ने 20 छात्र छात्राओं को उत्कृष्ट मेडिकल सेवा कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया ।।

प्रतिकूल मौसम के बावजूद मेंटल हेल्थ चेकअप एवं अवेयरनेस कैंप को सार्थक, सफल एवं फरूटफुल बनाने में श्री जितेंद्र बहादुर यादव, सुश्री शोभा यादव, रविंद्र सिंह यादव, रामलाल यादव, शशिकांत यादव, राकेश यदु, सोमेंद्र यादव, अशोक यादव, रामवीर यादव, सुजीत सिंह, संजय यादव, अजय यादव, राजेंद्र यादव, देव यादव, श्रीमती अरुणा यादव, श्रीमती अंजुदीप यदु एवं युवा हस्ताक्षर कुमारी अपूर्वा यादव का अभूतपूर्व योगदान काबिले तारीफ रहा। इस अवसर पर सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम के अध्यक्ष श्री सुरेश मिश्रा, छबिलाल सोनी और सेंट पॉल्स स्कूल बैच 1973 के विद्यार्थियों की उपस्थिति महत्वपूर्ण रही। राष्ट्रगान के पूर्व आयोजन के संयोजकद्वय श्रीमती रिंकी यादव और राम कुमार यादव ने आभार प्रकट किया ।।

शालाओं के 115 शिक्षकों को पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

खेलकूद सहित बच्चों के सर्वांगीण विकास पर बल

रायपुर। शिक्षकों के माध्यम से स्कूली बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए रायगढ़ जिले के सात विकासखंडों के प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के 115 शिक्षकों को पांच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण दिया गया।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशन एवं सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन के तत्वावधान में माण देसी ट्रैवल चैंपियन द्वारा यह प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एथलेटिक्स, खो-खो, कबड्डी, गोला फेक, भाला फेक, लम्बी कूद, ऊंची कूद आदि खेलों की तकनीक का प्रशिक्षण, मांसपेशियों को मजबूत करने के व्यायाम, नींद और संतुलित पोषण के प्रति जागरूकता, खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, स्वस्थ जीवनशैली, जीवन कौशल, संवाद कौशल और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम न केवल शिक्षकों के स्वास्थ्य और खेल शिक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में कारगर साबित हुआ, बल्कि इससे वे अपने विद्यालयों में बच्चों को एक जागरूक, स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में और अधिक सक्षम बन सकेंगे। प्रशिक्षण का सैद्धांतिक सत्र सृजन सभाकक्ष रायगढ़ में और प्रायोगिक सत्र स्टेडियम बोइरदादर में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की रूपरेखा जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.वी.राव, डीएमसी नरेंद्र चौधरी तथा कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी एवं एपीसी भुवनेश्वर पटेल के नेतृत्व में तैयार की गई।

सूदखोरी और अवैध निर्माण पर बुलडोजर, हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं के दफ्तर पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

रायपुर। सूदखोरी और अपराध की दुनिया में लंबे समय से सक्रिय रोहित और वीरेंद्र तोमर के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए उनके अवैध दफ्तर पर बुलडोजर चला दिया।

सोमवार को नगर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने भाटागांव के साई नगर स्थित रोहित तोमर के दफ्तर को गिराने की कार्रवाई शुरू की। यह दफ्तर अवैध रूप से बिना नक्शे के निर्माण कराया गया था, जिसे रोहित ने अपनी पत्नी भावना तोमर के नाम पर खोला था।

तोमर बंधु इसी दफ्तर से अवैध रूप से सूदखोरी का कारोबार संचालित करते थे। दोनों आरोपी वर्तमान में फरार हैं। मौके पर किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल और स्पेशल टीम 'प्रहरी' तैनात की गई है। निगम की टीम ने दफ्तर में रखे सामान को बाहर निकालना शुरू कर दिया है।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस कार्रवाई को लेकर ट्वीट किया, विष्णुदेव सरकार में सुशासन है तो चक्र सुदर्शन भी है। किसी मंत्री-मुख्यमंत्री के साथ फेटो खिंचवाने से कोई कानून से बड़ा नहीं हो जाता। अपराधी तोमर ने अनेक लोगों को पीड़ा पहुंचाई है।

शरीर को संभालने के बजाए इसे सजाने और संवारने में कितना समय व्यर्थ हो रहा है, यह भी अतिराग ही है

आत्मा का कल्याण करना है तो पहले शरीर के महत्व को समझो : मनीष सागरजी महाराज

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में शनिवार को परम पूज्य उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी श्री मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि ने कहा कि शरीर के प्रति अतिराग नहीं करना चाहिए। सदैव शरीर का सदुपयोग करना चाहिए। जो हमें प्राप्त है, वह पर्याप्त है इस सिद्धांत में रहकर आनंद नहीं खोना चाहिए। शरीर को ढकने के लिए कपड़े की आवश्यकता है लेकिन उन कपड़ों के चयन करने में डूबना अतिराग है। बाल सफेद हो जाए तो उसे छुपाने के लिए डाई करना यह अतिराग है। शरीर को संभालने के बजाए इसे सजाने और संवारने में कितना समय व्यर्थ हो रहा है, यह भी अतिराग ही है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि आत्मा तक पहुंचना है, आत्मा का कल्याण करना है तो पहले शरीर को समझना होगा। शरीर हमारे पास एक है। शरीर से लगाव होने से हमें ऐसा प्रतीत होता है कि आत्मा ही शरीर है, शरीर ही आत्मा है। यह भ्रम होता है लेकिन यह दोनों भिन्न है। जैसे तलवार और म्यान भिन्न होती है। वैसे ही आत्मा और शरीर भिन्न है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि शरीर निर्वाण को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। वास्तव में शरीर की उत्तमता बढ़ाकर ज्ञानी यह सिद्ध करना चाहते हैं कि आप शरीर का सदुपयोग अच्छी तरह से करो। शरीर का दुरुपयोग नहीं करो। शरीर की तीन विशेषता दुर्लभता, योग्यता, उपयोगिता है। मनुष्य का शरीर दुर्लभ है और यह कितने भव में भटकने के बाद प्राप्त होता है ये सभी को पता है। इसकी योग्यता भी आमाप है। ये वैज्ञानिक और धर्मशास्त्र बोलते हैं। मोक्ष और संयम का भी मूल शरीर है। धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष का शरीर मूल है।

उपाध्यक्ष भगवंत ने कहा कि शरीर देवालय है। शरीर को मंदिर की उपमा दी गई है। इसमें आत्मा रूपी देव विराजते हैं। मनुष्य शरीर दुर्लभ है, यह अति कठिनाई के प्राप्त होता है। ब्रह्मांड में मनुष्य शरीर को धारण करना अत्यंत कठिन है। एक बार खो जाएगा तो जीव को अनंत योनियों में भटकना पड़ता है। इस शरीर को धारण करने देवता भी तरसते हैं और यह आपको प्राप्त हुआ है तो आप इसका ध्यान जरूर करें।

कलश यात्रा आज, करेंगे सोने-चाँदी का दान

अजमेर में बनने जा रही भव्य दादाबाड़ी के शिलान्यास के लिए कलश यात्रा का आयोजन रविवार 27 जुलाई को सुबह साढ़े 8 बजे किया जा रहा है। कलश को अजमेर दादाबाड़ी की शिलाओं के मध्य प्रतिष्ठित किया जाएगा। कलश यात्रा सुबह साढ़े 8 बजे श्री गौतम लोढ़ा के निवास सेक्टर 5, टैगोर नगर भंसाली कल्प वृक्ष के पीछे से पटवा स्थानक टैगोर नगर आएगी। एक कलश में उपाध्याय भगवंत का वासक्षेप और दूसरे कलश में श्रावक-श्राविकाओं द्वारा सोने-चाँदी का दान अर्पण किया जाएगा। सकल संघ से निवेदन किया गया है कि इस मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर पुण्य अर्जन करें।

संक्षिप्त समाचार

फिज़िक्सवाला ने किया PWNSAT 2025 की घोषणा : भिलाई में NEET और JEE अभ्यर्थियों के लिए स्कॉलरशिप का अवसर

भिलाई। एजुकेशन कंपनी फिज़िक्सवाला (पीडब्ल्यू) ने PWNSAT (फिज़िक्सवाला नेशनल स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट) 2025 के चौथे संस्करण की घोषणा की है। यह स्कॉलरशिप टेस्ट NEET-UG और IIT-JEE के अभ्यर्थियों के लिए एक प्रयास है ताकि शिक्षा और मार्गदर्शन को सभी छात्रों तक पहुँचाया जा सके, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। यह पहल भिलाई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान घोषित की गई, जहाँ छत्तीसगढ़ के पीडब्ल्यू रीजनल हेड, पीडब्ल्यू विद्यापीठ भिलाई के सेंटर हेड और बिज़नेस हेड एक साथ उपस्थित हुए और उन्होंने PWNSAT 2025 के विभिन्न लाभों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, शहर के कई स्कूलों के प्राचार्य भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। PWNSAT 2025 एग्ज़ाम ऑनलाइन और ऑफ़्लाइन दोनों मोड में आयोजित किया जाएगा, ताकि देश के विभिन्न क्षेत्रों के छात्र इसे आसानी से दे सकें। ऑनलाइन मोड के लिए छात्र 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 के बीच परीक्षा दे सकते हैं। वहीं, ऑफ़्लाइन मोड में परीक्षा 5 अक्टूबर और 12 अक्टूबर 2025 को आयोजित की जाएगी, जो पीडब्ल्यू के सभी विद्यापीठ और पाठशाला सेंटर्स पर होगी। यह रजिस्ट्रेशन मुफ्त है और कक्षा 5वीं से 12वीं तक के छात्र, साथ ही 12वीं पास कर चुके छात्र, चाहे वे पीसीएम स्ट्रीम के हों या पीसीबी के, सभी के लिए खुला है। परीक्षा का परिणाम 25 अक्टूबर 2025 को घोषित किया जाएगा। अलख पांडे, फिज़िक्सवाला के फाउंडर, सीईओ और एजुकेटर ने कहा, कई छात्र अपनी क्षमता के बावजूद सिर्फ आर्थिक कारणों से अपने सपनों को छोड़ देते हैं। PWNSAT 2025 के ज़रिए हम इसे बदलना चाहते हैं। हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए। इस इनिशिएटिव के माध्यम से हम हर छात्र तक पहुँचने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें यह बताने कि उनके सपनों की अहमियत है और हम उनके साथ हैं। PWNSAT 2025 में टॉप करने वाले छात्रों को नकद पुरस्कार और 100त्न स्कॉलरशिप दी जाएगी, जो उनकी पूरी फीस को कवर करेगी। साथ ही, इन छात्रों को एक एक्सक्लूसिव रैंकर्स ग्रुप में शामिल किया जाएगा, जहां उन्हें स्पेशल मेंटरशिप और स्ट्रैटेजिक गाइडेंस दी जाएगी, जिससे वे NEET-UG और IIT- JEE जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

मोल्ड-टेक पैकेजिंग ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के शानदार नतीजों की घोषणा की, प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 22.40 करोड़ रुपये रहा

नईदिल्ली। मोल्ड-टेक पैकेजिंग लिमिटेड को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक शानदार शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है, जिसमें 30 जून, 2025 को समाप्त पहली तिमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। कंपनी ने 15त्न की प्रभावशाली ओवरऑल सेल्स वॉल्यूम ग्रोथ दर्ज की, जो सभी प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में मजबूत गति को दर्शाती है, जो बेहतर प्रोडक्ट मिक्स और बढ़ी हुई कैपसिटी यूटिलाइजेशन को दर्शाती है। परिणामों की घोषणा करते हुए, चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर जे लक्ष्मण राव ने कहा, यह शानदार प्रदर्शन मोल्ड-टेक्स के इनोवेशन और स्ट्रेटेजिक एक्सपेंशन पर अटूट ध्यान का परिणाम है, जिसके परिणाम मिलने लगे हैं। कंपनी को आने वाली तिमाहियों में भी इस विकास गति को बनाए रखने का पूरा भरोसा है। बेहतर क्षमता उपयोग और फार्मा पैकेजिंग रेवन्यू में वृद्धि के कारण, प्रति किलोग्राम एबिटडा 26वीं तिमाही में 37.06त्न बढ़कर 41.64 रुपये हो गया।

टाटा एआईए ने छत्तीसगढ़ में 53 एमडीआरटी-योग्य एजेंटों को पंजीकृत कर अपनी शानदार एजेंसी वितरण विशेषज्ञता का किया प्रदर्शन

रायपुर: भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने घोषणा की है कि उसने छत्तीसगढ़ में 53 मिलियन डॉलर राउंड टेबल (एमडीआरटी) योग्य सलाहकारों को पंजीकृत किया है। इससे वित्तीय सलाहकार सेवाओं में उत्कृष्टता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता रेखांकित होती है। 2025 की वैश्विक एमडीआरटी रैंकिंग के अनुसार, कंपनी ने प्रतिष्ठित एमडीआरटी उपाधि के लिए रायपुर से 21 सलाहकारों को पंजीकृत किया है। टाटा एआईए ने हाल में 2025 के लिए जारी वैश्विक एमडीआरटी रैंकिंग* के अनुसार, लगातार तीसरे साल भारत में सबसे अधिक एमडीआरटी योग्य सलाहकारों का रिकॉर्ड बनाया है और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली #4 रैंक (चौथा स्थान) हासिल किया है। 2,871 एमडीआरटी क्वालिफायर के साथ, यह उपलब्धि पिछले साल की तुलना में 11% की वृद्धि को रेखांकित करती है, और इससे टाटा एआईए के सलाहकारों की बढ़ती क्षमता और इसके समर्पण ज़ाहिर होता है। विविधता और समावेश के प्रति टाटा एआईए की गहरी प्रतिबद्धता इसके उद्योग की बाकी कंपनियों से अलग बनाती है। टाटा एआईए ने 1,343 महिला एमडीआरटी सदस्यों के अब तक के उच्चतम स्तर के साथ महिला सदस्यता के आधार पर दुनिया की शीर्ष 25 कंपनियों में 7वां स्थान हासिल किया है। महिला एमडीआरटी क्वालिफायर में 8.5% की वृद्धि, वित्तीय क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त बनाने के टाटा एआईए के निरंतर प्रयास को दर्शाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उपभोक्ताओं को सलाहकारों की एक विविध टीम द्वारा दी जाने वाली विशेषज्ञ, विश्वस्तरीय वित्तीय सलाह का लाभ मिले। यह शानदार उपलब्धि टाटा एआईए की शीर्ष स्तर की वित्तीय सलाह देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संपादकीय

शक की गुंजाइशें कम नहीं

चुनाव आयोग ने पूरे देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। कुछ विपक्षी दलों व अन्य लोगों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। हालांकि जुलाई के अंत तक निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम फैसला लेने की भी चर्चा है। अधिकांश राज्यों में 2002 से 2004 के दौरान मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया गया था। आयोग की बेवसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में उपलब्ध सूची 2008 की है, जबकि उत्तराखंड में आखरी गहन पुनरीक्षण 2006 में होने की सूचना है। अवैध विदेशी प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने के विवाद के बाद बिहार में यह बहस गरम हुई। इसी वर्ष बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में भी अगले वर्ष होंगे। बूथ स्तर के कर्मचारियों का आरोप है कि घर-घर जाकर की गई जांच में बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश व म्यामांर के अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में मिले। इस सारी कवायद पर संदेह व्यक्त करने वालों के अनुसार चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं। साठ फीसद से भी कम नागरिकों के पास पक्का मकान है, केवल 14त्न वयस्क दसवीं तक पढ़े हैं। सवाल है, बड़ी संख्या में बिहारी मजदूर रोजगार के सिलसिले में अन्य राज्यों में जा चुके हैं, उनका नाम इस सूची में शामिल करने का जिम्मा कौन लेगा। हाशिए पर खड़े लोग, दलितों, वंचितों व गरीबी रेखा के नीचे गुजार करने वालों से दस्तावेजों की सूची मांगना गैरवाजिब है। उस पर भी जिनके नाम पहले ही मतदाता सूची में मौजूद हैं और वे तीन-चार बार अपना मत प्रयोग कर चुके हैं। हैरत है कि इतने व्यापक स्तर पर बनाए गए आधार कार्ड पर सरकार और उसका समूचा तंत्र विश्वास क्यों नहीं कर पाता। सबके लिए एक सामूहिक व्यवस्था क्यों नहीं दी जाती। देश के हर नागरिक के लिए एकमात्र परिचय पत्र की व्यवस्था हो, जिसके मार्फत समूची जनसंख्या का सटीक अंदाजा भी हो और वही नागकिता की पहचान बने। उसी को मतदानपत्र, लाइसेंस, पैन, बैंक अकाउंट आदि से जोड़ा जाए। आम नागरिक को तनाव देना व सरकारी महकमों के चक्कर काटने के लिए मजबूर करना या हर कुछ दिनों बाद दस्तावेजों की गड्डियां मुहैया कराना कब तक चलता रहेगा। निस्संदेह सरकार की नीयत पर शक की गुंजाइशें कम नहीं हो रहीं।

तालिबान शासन को मान्यता भारत के समक्ष चुनौतियां

गिरीश पांडे

हाल में अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार को रूस की ओर से आधिकारिक मान्यता मिल गई है। चीन, संयुक्त अरब अमीरात और दूसरे कई देशों की राजनयिक इंगेजमेंट के बावजूद रूस दुनिया का पहला देश बन गया है, जिसने अफगानिस्तान को राजनयिक मान्यता प्रदान कर दी है। इसे हम रूस का वैंकिमंच पर अप्रत्याशित और निर्णायक कदम कह सकते हैं। यह कदम ऐसे समय उठा है जब अमेरिका, भारत और यूरोप जैसे प्रमुख देश अब भी तालिबान शासन को मान्यता देने से परहेज कर रहे हैं। रूस के इस कदम के पीछे कई रणनीतिक कारण निहित हैं। मसलन, रूस, पश्चिमी दबावों से मुक्त होकर स्वतंत्र शक्ति संतुलन स्थापित करना चाहता है। अफगानिस्तान, मध्य एशियाई गणराज्यों की सीमा पर स्थित है, जहां रूस की पारंपरिक पकड़ रही है। तालिबान से संपर्क इसी विस्तार का हिस्सा है। रूस के निर्णय का असर अफगानिस्तान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और वि राजनीति पर इसका असर पड़ने की संभावना है। 1979 में सोवियत सैनिकों के अफगानिस्तान में दखल के बाद से लेकर 1989 तक मिखाइल गोर्बाचोव के अपनी सेना वापस बुलाने तक अफगानिस्तान और रूस जटिल ऐतिहासिक द्विपक्षीय संबंधों में उलझे रहे। हालांकि, 20 साल बाद अप्रैल, 2025 में रूस ने तालिबान को आतंकी संगठन की लिस्ट से हटाया था और इसके बाद अफगानिस्तान के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा था। अफगानी क्षेत्र में ट्रासपोर्ट कॉरिडोर ऐसी ही एक संभावना है। कहा यह भी जा रहा है कि रूस को आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खोरासन प्रांत (आईएसकेपी) के मद्देनजर तालिबान से सुरक्षा सहयोग की दरकार है। इस समूह ने रूस में पिछले साल आतंकी हमले को अंजाम दिया था और जिसमें 130 लोग मारे गए थे। इसलिए रूस ने इस बार यह महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है। ध्यान देने की बात है कि अगस्त, 2021 में अमेरिका और नाटो के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। तब तालिबान ने कहा था कि वह अफगानिस्तान में लिबरल शासन चलाएगा, लेकिन उसके बाद उन्होंने कड़े शिया कानून लागू कर दिए। महिलाओं के प्रति कड़ी भेदभाव वाली नीतियों की वजह से पश्चिम के देशों ने तालिबान को राजनयिक तौर पर अलग-थलग रखा है। जानकार कहते हैं कि अब चीन भी रूस के नक्शेकदम पर चलेगा और अफगानिस्तान को मान्यता देने के बारे में सोचेगा। वैसे भी अभी रूस और चीन की 'अनिलमिटेड दोस्ती' चल रही है। जहां तक भारत का संबंध है, रूस के इस निर्णय से भारत के समक्ष कुछ चुनौतियां और विकल्प उभरते हैं। पहला तो यही है कि रूस भारत का पारंपरिक सहयोगी रहा है। रूस द्वारा तालिबान को मान्यता देना भारत के हितों के विपरीत प्रतीत हो सकता है, विशेषकर जब अफगानिस्तान से आतंकवाद की आशंका बनी हुई हो। इसके अलावा, रूस, ईरान, चीन और पाकिस्तान का तालिबान से व्यवहार भारत के लिए अलग-थलग पड़ने की स्थिति पैदा कर सकता है, और तालिबान की सत्ता में मजबूती, जम्मू-कश्मीर में कट्टरपंथी ताकतों को परोक्ष समर्थन दे सकती है। इसलिए अभी भारत का तालिबान के साथ सॉफ्ट एंगेजमेंट चल रहा है, और तालिबान के साथ बिना उसे औपचारिक मान्यता दिए सीमित और नियंत्रित संवाद जारी हैं। भारत, अफगानिस्तान की सुरक्षा स्थिति की भी बराबर निगरानी कर रहा है। अफगानिस्तान को लेकर भारत का दृष्टिकोण हमेशा ही अफगान के लोगों के साथ दीर्घकालिक और विशेष मित्रता से प्रेरित रहा है, और साथ ही एक दीर्घकालिक साझेदार के रूप में अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में भारत का हित सीधे जुड़ा है। अफगानिस्तान के साथ अपने पुराने संबंधों पर जोर देते हुए भारत ने युद्धग्रस्त देश की मानवीय और विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने की सदैव ही प्रतिबद्धता जताई है। यह तब खास हो जाता है, जब चीन और पाकिस्तान फगानिस्तान में सक्रिय हैं। अफगान जनता के बीच विशेषकर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में भी भारत की साख यथावत बनी रहनी चाहिए।

नाग पंचमी: भारतीय संस्कृति का पावन पर्व

भारतीय संस्कृति में प्रकृति की पूजा का विशेष महत्व है। हमारे पूर्वजों ने प्रकृति के हर तत्व को देवतुल्य माना है और उनकी आराधना की है। इसी परंपरा में नाग पंचमी का त्योहार एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह पर्व सर्पों की पूजा और उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है। श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाने वाला यह त्योहार भारतीय धर्म और संस्कृति की गहरी जड़ों को दर्शाता है।

नाग पंचमी का धार्मिक और पौराणिक आधार: वैदिक काल से संबंध नाग पूजा की परंपरा वैदिक काल से ही चली आ रही है। वेदों में नागों को शक्तिशाली और दिव्य माना गया है। अथर्ववेद में सर्पों की स्तुति में अनेक मंत्र हैं जो इनकी शक्ति और महत्व को दर्शाते हैं। वैदिक साहित्य में नागों को वर्षा के देवता इंद्र से जोड़ा गया है, क्योंकि ये भूमि की उर्वरता और जल चक्र से गहरा संबंध रखते हैं।

पौराणिक कथाएं : पुराणों में नाग पंचमी से जुड़ी अनेक कथाएं मिलती हैं। सबसे प्रसिद्ध कथा कृष्ण और कालिया नाग की है। जब कालिया नाग ने यमुना के जल को विषाक्त कर दिया था, तब भगवान कृष्ण ने उसे परास्त कर यमुना को विष मुक्त किया था। इस घटना के बाद कालिया नाग ने कृष्ण से क्षमा मांगी और वचन दिया कि वह फिर कभी किसी को हानि नहीं पहुंचाएगा।

एक अन्य प्रसिद्ध कथा है ब्रह्मा जी के मानस पुत्र कश्यप ऋषि और उनकी पत्नी कद्रू की। कद्रू से नागों की उत्पत्ति हुई और इसीलिए उन्हें नागों की माता कहा जाता है। शेषनाग, वासुकि, तक्षक, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख, और कुलिक - ये आठ मुख्य नाग माने गए हैं।

धार्मिक मान्यताएं : हिंदू धर्म में नागों को अत्यंत शक्तिशाली माना गया है। भगवान शिव के गले में नाग की माला, भगवान विष्णु का शेषनाग पर शयन, और गणेश जी का नाग यज्ञोपवीत - ये सभी नागों के दिव्य स्वरूप को दर्शाते हैं। नागों को भूमि के संरक्षक, खजाने के रक्षक, और वर्षा के नियंत्रक माना जाता है।

नाग पंचमी की तिथि और समय : नाग पंचमी का त्योहार हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। यह समय मानसून का होता है जब वर्षा के कारण सर्प अपने बिलों से बाहर निकलते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस दिन नक्षत्र और ग्रहों की स्थिति ऐसी होती है कि नाग पूजा का विशेष फल प्राप्त होता है।

पंचमी तिथि का विशेष महत्व है क्योंकि यह संख्या पांच प्राण वायु, पांच तत्व, और पांच ज्ञानेंद्रियों का प्रतीक है। इस दिन नागों की पूजा करने से जीवन में संतुलन और समृद्धि आती है।

पूजा विधि और अनुष्ठान पारंपरिक पूजा विधि : नाग पंचमी की पूजा का अपना विशेष विधान है:

प्रात:काल की तैयारी: सुबह जल्दी उठकर स्नान करना चाहिए। इस दिन व्रत रखने की परंपरा है, इसलिए भोजन में केवल फलाहार लिया जाता है।

पूजा स्थल की तैयारी: घर में एक स्वच्छ स्थान पर नागों की तस्वीर या मूर्ति स्थापित करनी चाहिए। यदि संभव हो तो दीवार पर गाय के गोबर से नाग की आकृति बनाई जाती है।

पूजा सामग्री: दूध, दही, घी, शहद, चीनी, चावल, फूल, धूप, दीप, कुश, तिल, जौ, और

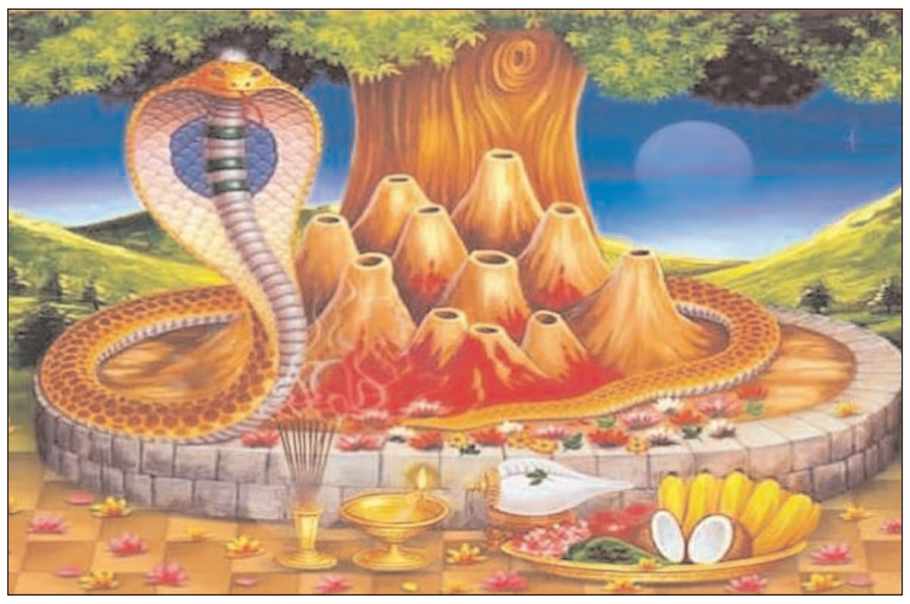

गंगाजल की आवश्यकता होती है।

मंत्र जाप: पूजा के दौरान विशेष नाग मंत्रों का जाप किया जाता है। मुख्य मंत्र है:

नमो भगवते वासुकाय नम:

अनंतं वासुकिं शेषं पद्मनाभं च कम्बलम्।

शंखपालं धार्तराष्ट्रं तक्षकं कालियं तथा॥

आधुनिक पूजा पद्धति : आजकल शहरी क्षेत्रों में जहां वास्तविक सर्पों का दर्शन कठिन है, वहां मंदिरों में या घरों में चित्रों और मूर्तियों की पूजा की जाती है। कई स्थानों पर सामुदायिक पूजा का भी आयोजन होता है जहां पंडित जी विधिवत पूजा कराते हैं।

नाग पंचमी के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलू

क्षेत्रीय मनाने की परंपराएं : महाराष्ट्र में: महाराष्ट्र में नाग पंचमी को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। यहां औरतें अपने भाइयों की सुरक्षा के लिए नागों की पूजा करती हैं। घरों की दीवारों पर हल्दी और चावल के आटे से नाग की आकृति बनाई जाती है।

बंगाल में: बंगाल में इसे 'नाग चतुर्थी' के नाम से भी जाना जाता है। यहां मनसा देवी की पूजा की जाती है जो नागों की देवी मानी जाती हैं।

दक्षिण भारत में: तमिलनाडु, कर्नाटक, और आंध्र प्रदेश में नाग पंचमी को 'गरुड़ पंचमी' के नाम से भी मनाया जाता है। यहां नाग की पूजा के साथ-साथ गरुड़ की भी पूजा होती है।

उत्तराखंड में: यहां इस पर्व को 'नाग चौथ' या 'नाग पंचमी' कहते हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में यह त्योहार विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां सर्प अधिक पाए जाते हैं।

सामाजिक संदेश- नाग पंचमी का त्योहार समाज को कई महत्वपूर्ण संदेश देता है। यह हमें सिखाता है कि प्रकृति के हर जीव का अपना महत्व है और हमें उनका सम्मान करना चाहिए। सर्प भले ही डरावने लगते हों, लेकिन वे पारिस्थितिकी तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण और पारिस्थितिकी महत्व

कृषि में सर्पों की भूमिका- वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो सर्प कृषि के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। ये चूहों, मेंढकों, और अन्य हानिकारक कीटों को खाकर फसलों की रक्षा करते हैं। एक सर्प एक वर्ष में सैकड़ों चूहे खा सकता है, जो अन्यथा अनाज को नुकसान पहुंचाते।

पारिस्थितिकी संतुलन- सर्प भोजन श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये न केवल छोटे जीवों को खाते हैं बल्कि स्वयं भी बड़े जानवरों और पक्षियों का आहार बनते हैं। इस प्रकार ये प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं।

औषधीय महत्व- आधुनिक चिकित्सा विज्ञान में सर्प विष से अनेक जीवनरक्षक दवाइयां बनाई जाती हैं। हृदय रोग, कैंसर, और अन्य गंभीर बीमारियों की दवाओं में सर्प विष का उपयोग होता है।

नाग पंचमी के व्रत और नियम

व्रत विधि- नाग पंचमी के दिन विशेष व्रत रखा जाता है। इस व्रत के नियम इस प्रकार हैं:

उपवास: इस दिन पूर्ण उपवास या फलाहार का नियम है। कुछ लोग केवल दूध और फल लेते हैं।

भूमि खोदना वर्जित: इस दिन जमीन खोदना, कृषि कार्य करना वर्जित माना जाता है क्योंकि इससे सर्पों के आवास को नुकसान हो सकता है।

नमक का त्याग: कई स्थानों पर इस दिन नमक का सेवन नहीं किया जाता।

व्रत के फायदे- धार्मिक मान्यता के अनुसार नाग पंचमी का व्रत रखने से:

- सर्पदोष से मुक्ति मिलती है
- कालसर्प योग के दुष्प्रभाव कम होते हैं
- संतान प्राप्ति में सहायता मिलती है
- पितृदोष से छुटकारा मिलता है

आधुनिक समय में नाग पंचमी की प्रासंगिकता

पर्यावरण संरक्षण- आज के समय में जब पर्यावरण संरक्षण एक गंभीर चुनौती है, नाग पंचमी का त्योहार और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह हमें याद दिलाता है कि हर जीव का अपना महत्व है और हमें उनकी रक्षा करनी चाहिए।

वन्यजीव संरक्षण- सर्पों की घटती संख्या चिंता का विषय है। शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण उनके प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं। नाग पंचमी हमें सर्प संरक्षण के प्रति जागरूक बनाता है।

जागरूकता का माध्यम- यह त्योहार लोगों में सर्पों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का माध्यम है। अक्सर डर के कारण लोग निर्दोष सर्पों को मार देते हैं, जो गलत है।

नाग पंचमी से जुड़ी समस्याएं और समाधान

अंधविश्वास की समस्या- दुर्भाग्य से कुछ स्थानों पर नाग पंचमी के नाम पर गलत परंपराएं भी देखी जाती हैं। कुछ लोग सर्पों को दूध पिलाने की कोशिश करते हैं, जबकि वैज्ञानिक रूप से यह गलत है क्योंकि सर्प दूध नहीं पीते।

सुधार की आवश्यकता : आवश्यकता है कि हम इस त्योहार को वैज्ञानिक सोच के साथ मनाएं। सर्पों का सम्मान करें लेकिन उनके साथ गलत व्यवहार न करें।

शिक्षा का महत्व : लोगों को सर्पों के बारे में सही जानकारी देना आवश्यक है। कौन से सर्प विषैले हैं और कौन से नहीं, इसकी पहचान करना जरूरी है।

स्वास्थ्य और सुरक्षा के दृष्टिकोण

सर्पदंश से बचाव- नाग पंचमी के अवसर पर लोगों को सर्पदंश से बचाव के बारे में भी जानकारी दी जानी चाहिए:

सावधानियां: घने घास, झाड़ियों में जाते समय सावधानी बरतें। रात के समय टॉर्च का उपयोग करें।

प्राथमिक उपचार: सर्पदंश की स्थिति में तुरंत अस्पताल जाना चाहिए। घरेलू उपचार या तंत्र-मंत्र पर भरोसा न करें।

मिथकों का खंडन: सर्पदंश के बारे में फैली गलत धारणाओं को दूर करना आवश्यक है।

भविष्य की संभावनाएं

पर्यटन का विकास- नाग पंचमी के त्योहार को पर्यटन के दृष्टिकोण से भी देखा जा सकता है। अनेक मंदिरों और तीर्थस्थलों पर इस दिन विशेष मेले और कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।

सांस्कृतिक संरक्षण- इस त्योहार के माध्यम से भारतीय संस्कृति और परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाया जा सकता है।

अनुसंधान के अवसर- सर्पों पर वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देकर नई दवाओं और उपचारों की खोज की जा सकती है।

नाग पंचमी केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमारी सभ्यता की गहरी समझ का प्रतीक है। यह त्योहार हमें सिखाता है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीना कैसे है। जब हमारे पूर्वजों ने सर्पों को देवतुल्य माना, तो उनके पीछे गहरा वैज्ञानिक और पारिस्थितिकी ज्ञान था। आज के संदर्भ में नाग पंचमी का महत्व और भी बढ़ जाता है जब हम पर्यावरण संकट का सामना कर रहे हैं। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि हर जीव का अस्तित्व महत्वपूर्ण है और हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनका संरक्षण करें। नाग पंचमी मनाते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि हम अंधविश्वास में न पड़कर वैज्ञानिक सोच के साथ इस त्योहार को मनाएं। सर्पों का सम्मान करें, उनकी रक्षा करें, लेकिन सुरक्षा के नियमों का भी पालन करें। यह त्योहार हमारी समृद्ध संस्कृति का अमूल्य खजाना है जो हमें प्रकृति प्रेम, जीव दया, और पारिस्थितिकी संरक्षण का संदेश देता है। आने वाली पीढ़ियों के लिए इन मूल्यों को संरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है। इस प्रकार नाग पंचमी न केवल एक पर्व है, बल्कि यह जीवन जीने की एक पद्धति है जो हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने की सीख देती है। इस त्योहार की महत्ता तभी सार्थक होगी जब हम इसके वास्तविक संदेश को समझकर अपने जीवन में उतारेंगे।

- वासवी राजू बरडे, नागपूर, महाराष्ट्र

सर्वाधिक विवादास्पद राज्यपाल और उपराष्ट्रपति रहे हैं धनखड़

योगेंद्र योगी

कार्यकाल समाप्ति से दो साल पहले उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ का कार्यकाल सर्वाधिक विवादों से भरा रहा है। देश में इतने विवाद उपराष्ट्रपति और राज्यपाल पद पर रहते हुए किसी के साथ नहीं जुड़े, जितने धनखड़ के नाम दर्ज हैं। इस पद पर रहते हुए धनखड़ पर कई तरीके के आरोप लगे। उपराष्ट्रपति पद से पहले पश्चिम बंगाल में राज्यपाल रहते हुए भी धनखड़ विवादों से घिरे रहे। केंद्र की भाजपा सरकार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सख्त रवैया अपनाने वाले धनखड़ को ईनाम के तौर पर उपराष्ट्रपति पद से नवाजा था। इसके बावजूद कि धनखड़ का न तो भारतीय जनता पार्टी और न ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से कभी गहरा सरोकार रहा। जगदीप धनखड़ 2019 से 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका हमेशा सीएम ममता बनर्जी से टकराव बना रहा। धनखड़ ने कई बार सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार की आलोचना की। धनखड़ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और शासन की विफलता के आरोप लगाए। उनके इस रुख को विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण माना, क्योंकि एक संवैधानिक पद पर रहते हुए उनकी टिप्पणियां सरकार के खिलाफ थीं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड़ का विपक्षी दलों के साथ रिश्ता हमेशा तनावपूर्ण रहा। विपक्ष ने उन पर पक्षपात और सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया। राज्यसभा अध्यक्ष के रूप में धनखड़ पर पक्षपात के आरोप लगे।

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया कि धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही में पक्षपात किया और भाजपा सदस्यों को प्राथमिकता दी जबकि विपक्ष की आवाज को दबाया। विपक्ष ने इसे

लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कदम करार दिया था। देश में ऐसा पहली बार हुआ जब विपक्षी दलों ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। हालांकि इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल सकी। विपक्षी दलों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और वाम दलों के 60 से ज्यादा सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 67(ब) के तहत धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव में उन्हें सरकार का प्रवक्ता कहा गया और निष्पक्षता की गंभीर कमी बताई गई। जनवरी 2023 में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की मूल संरचना सिद्धांत के पुनरावृत्ति के संदर्भ में बयान दिया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा था कि संसद के बनाए कानूनों को अगर अदालत रोक देती है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा होगा। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति के बयान पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। विपक्ष ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। जस्टिस वर्मा के घर पर कैश बरामदगी मामले में धनखड़ के बयान के बाद भी राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को लेकर बहस छिड़ गई थी धनखड़ ने कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द नहीं किया होता तो बात कुछ अलग होती। गौरतलब है कि एनजेएसी को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर किया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर 2020 दिसंबर में भी धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश संसद की संप्रभुता से समझौता है और जनादेश का अपमान है। मार्च 2023 में धनखड़ ने शैक्षणिक संस्थानों और छात्र राजनीति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा था कि कुछ विश्वविद्यालय देश विरोधी विचारधाराओं की शरणस्थली बन चुके हैं। उपराष्ट्रपति के इस बयान को जेएनयू और कुछ अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की ओर इशारा माना गया। विपक्षी दल, जैसे सीपीआई और सीपीएम ने उपराष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति की यह भाषा संघी एजेंडे की झलक देती है। छात्र संगठनों ने धनखड़ से बयान वापस लेने की मांग की थी। किसान आंदोलन के दौरान जगदीप धनखड़ ने किसानों की आलोचना की। उन्होंने कहा था कि किसान आंदोलन के नाम पर सड़कों पर बैठ कर राष्ट्र को बदनाम कर रहे है, वे किसान नहीं है। धनखड़ की इस टिप्पणी पर किसान संगठनों और खाप संगठनों ने आपत्ति जताई। अक्टूबर 2024 में उन्होंने सीबीआई और ईडी के समर्थन में बयान दिया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि, सीबीआई और ईडी पर सवाल उठाना भारत के न्यायिक तंत्र को कमजोर करता है। उनके इस बयान को विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों की मनमानी कार्रवाई का समर्थन के तौर पर माना।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव 27 मार्च 2025 को लाया गया। इस विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को धनखड़ ने खारिज कर दिया। अमित शाह ने आरोप लगाया था कि यूपीए शासनकाल में पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) पर सोनिया गांधी का नियंत्रण था। धनखड़ ने एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए इसे सत्यापित बयान बताया। अगस्त 2024 में महिला गरिमा पर बहस के दौरान राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने धनखड़ की बोलने की शैली और हाव-भाव पर आपत्ति जताई। बच्चन ने कहा कि उनकी टोन अनुचित है। इसके जवाब में धनखड़ ने कहा कि आप सेलिब्रिटी हो सकते हैं लेकिन सदन की मर्यादा समझिए।

दिसंबर 2023 में उपराष्ट्रपति धनखड़ पर अधिवेशन में विपक्षी सांसदों को रोकने का आरोप लगा था। विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि संसद के शीत सत्र में विपक्षी सांसदों के साथ पक्षपात किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा था कि यह उपराष्ट्रपति नहीं, भाजपा प्रवक्ता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। सभापति धनखड़ संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए लोकतंत्र को खतरा वाला बयान दिया। जिसे लेकर जमकर विवाद हुआ। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग लोकतंत्र को खत्म करने में लगे हैं और उन्हें संसद में नहीं देशद्रोहियों के कटघरे में होना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान इशारे के तौर पर विपक्ष की संसद में बहिष्कार रणनीति के संदर्भ में दिया गया। कई विपक्षी नेताओं ने असहमति जताते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र में असहमति को दबाने की कोशिश है। धनखड़ अपने कार्यकाल के दौरान संवैधानिक संस्थानों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अपनी टिप्पणियों के लिए भी चर्चा में रहे। उन्होंने आरएसएस को वैश्विक थिंक टैंक और राष्ट्र निर्माण में निर्विवाद भूमिका वाला संगठन बताया, जिसे विपक्ष ने भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा के रूप में बताया। राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ के बार-बार राजस्थान दौरे को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा था कि शेखावत साहब भी उपराष्ट्रपति बने थे। लेकिन उन्होंने कहा था कि राजस्थान मेरा घर है। यहां कोई प्रोटोकॉल नहीं होगा। जबकि उपराष्ट्रपति धनखड़ पूरे प्रोटोकॉल के तहत राजस्थान के दौरे पर आ रहे हैं।

गहलोत ने उपराष्ट्रपति धनखड़ पर तंज कसते हुए कहा था कि आप उपराष्ट्रपति हैं। आपका स्वागत है। लेकिन इस तरीके से बार-बार राजस्थान में अपना दौरा करेंगे तो, जनता तो सब समझती है। इस दौरे को करने की क्या तुक हैं। जनता समझती है। राजस्थान में चुनाव है, इसलिए उपराष्ट्रपति भी सक्रिय हैं। संविधान में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदों के लिए विशेष प्रावधान और सम्मान है। सवाल यह है कि इन प्रावधानों और सम्मान के विपरीत पदों को विवादित बनाने से इन पदों की गरिमा कैसे बनी रहेगी, यह इन पदों पर आसीन लोगों के विचारणीय प्रश्न है।

21 चंदन धूपबत्ती, 5 दीपक और 1 शिव गायत्री मंत्र, नागदेव के साथ भोलेनाथ भी होंगे प्रसन्न

समस्त ज्योतिष ग्रंथों अलावा महर्षि पाराशर और वराहमिहिर के शास्त्रों में भी कालसर्प दोष का वर्णन मिलता है। ज्योतिष के अनुसार व्यक्ति की कुंडली में ग्रह जब राहु और केतु के मध्य आ जाते हैं तो कालसर्प दोष लग जाता है। जिन्हें कालसर्प दोष होता है उन्हें नागपंचमी के दिन पूजा करने से लाभ होता है। इस दिन नागदेव को दूध सिर्फ चढ़ाया जाता है पिलाने से उन्हें कष्ट होता है। नागदेव की आराधना से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इस दिन विशेष रूप से शिवमंदिर में 1 माला शिव गायत्री मंत्र का जप करने और चांदी, सोने या तांबे के नाग-नागिन के जोड़े चढ़ाने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है।

शिव गायत्री मंत्र

'ऊं तत्पुरुषाय विद्महे, महादेवाय धीमहि तन्नोरुद्रः प्रचोदयात।'

नागपंचमी के दिन शिव मंदिर में 21 चंदन धूपबत्ती और 5 तेल या घी के दीपक लगाकर शिव गायत्री मंत्र का जाप करने से निश्चित रूप से शुभ फल प्राप्त होगा। नाग देव के साथ भोलेनाथ से भी धन-धान्य, संपत्ति, समृद्धि, ऐश्वर्य, सौभाग्य, वैभव, सफलता, प्रगति और संतान सुख का आशीष मिलता है।

कब है नागपंचमी, क्या करते हैं इस दिन,सरल पूजा विधि

नागपंचमी का त्योहार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। इस दिन अष्टनागों की पूजा की जाती है। अष्टनागों से से एक वासुकी नाग शिवजी के गले में विराजमान है। आओ जानते हैं कि कब है नागपंचमी, क्या करते हैं इस दिन और जानिए सरल पूजा विधि।

क्या करते हैं इस दिन

- इस दिन शिव पूजा के साथ अष्टनागों की पूजा होती है।
- इसकी के साथ नागों की देवी वासुकी की बहन मनसादेवी और उनके पुत्र आस्तिक मुनि की पूजा भी करते हैं।
- इस दिन नाग माता कद्रू, बलरामजी की पत्नी रेवती, बलरामजी की माता रोहिणी और सर्पो की माता सुरसा की वंदना भी करते हैं।
- किसान लोग अपनी नई फसल का तब तक उपयोग नहीं करते जब तक वह नए अनाज से नाग की बांबी को रोट न चढ़ाएं।
- नाग की बांबी की भी पूजा करते हैं।
- इस दिन विषयोग और कालसर्प दोष की पूजा भी होती है।
- इस दिन नागदेव के लिए व्रत भी रखा जाता है।
- नागपंचमी के दिन घर के मुख्य द्वार पर गोबर, गेरू या मिट्टी से सर्प की आकृति बनाकर उसकी पूजा करते हैं।
- इस दिन चांदी के नाग नागिन की पूजा होती है। चांदी के नाग नागिन न हो तो एक बड़ीसी रस्सी में सात गाठें लगाकर उसे सर्प रूप में पूजते हैं।
- कसी नाग मंदिर या स्थान पर जाकर पूजा करने का ज्यादा महत्व है।

नागपंचमी पर नागों की पूजा

- नित्यकर्म से निवृत्त होकर नाग पूजा के स्थान को साफ करें।
- पूजा स्थान पर उचित दिशा में लकड़ी का एक पाट या चौकी लगाएं और उस पर लाल कपड़ा बिछा दें।
- अब उस पाट पर नाग का चित्र, मिट्टी की मूर्ति या चांकी के नाग को विराजमान करें।
- अब चित्र या मूर्ति पर गंगाजल छिड़कर उन्हें स्नान कराएं और उनको नमस्कार करके उनका आह्वान करें।
- फिर हल्दी, रोली (लाल सिंदूर), चावल और फूल लेकर नाग देवता को अर्पित करें। उनकी पंचोपचार पूजा करें।
- उसके बाद कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित करते हैं।
- पूजन करने के बाद सर्प देवता की आरती उतारी जाती है।
- अंत में नागपंचमी की कथा अवश्य सुनते हैं।
- इसी तरह से संध्या को भी पूजा आरती करें।
- पूजा आरती के बाद दान आदि देकर व्रत का पारण कर सकते हैं।

नागपंचमी का महत्व!

हिंदू धर्मग्रन्थों के अनुसार, श्रावण मास की शुक्ल पंचमी को नागपंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह नागों और सर्पो की पूजा का पर्व है। मनुष्य और नागों का संबंध पौराणिक कथाओं से झलकता रहा है। हिंदू धर्मग्रन्थों में नाग को देवता माना गया है और इनका विभिन्न जगहों पर उल्लेख भी किया गया है। हिन्दू धर्म में कालिया, शेषनाग, कद्रू (सांपों की माता) पिलीवा आदि बहुत प्रसिद्ध हैं। कथाओं के अनुसार दक्ष प्रजापति की पुत्री तथा कश्यप ऋषि (जिनके नाम से कश्यप गोत्र चला) की पत्नी 'कद्रू' नाग माता के रूप में आदरणीय रही हैं। कद्रू को सुरसा के नाम से भी जाना जाता है।

पौराणिक महत्ता

शेषनाग के फन पर पृथ्वी टिकी है। भगवान विष्णु क्षीरसागर में शेषनाग की शैय्या पर सोते हैं। शिवजी के गले में सर्पो का हार है। कृष्ण जन्म पर नाग की सहायता से ही वासुदेवजी ने यमुना पार की थी। यहां तक कि समुद्र-मंथन के समय देवताओं की मदद भी वासुकी नाग ने ही की थी। लिहाजा नाग देवता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है- नागपंचमी।

वर्षा ऋतु में वर्षा का जल धीरे-धीरे धरती में समाकर सांपों के बिलों में भर जाता है। इसलिए श्रावण मास में सांप सुरक्षित स्थान की खोज में अपने बिल से बाहर निकलते हैं। संभवतः उस समय उनकी रक्षा करने और सर्पभय व सर्पविष से मुक्ति पाने के लिए भारतीय संस्कृति में इस दिन नाग के पूजन की परंपरा शुरू हुई।

कैसे मनाते हैं नागपंचमी

इस दिन कुछ लोग उपवास करते हैं। नागपूजन के लिए दरवाजे के दोनों ओर गोबर या गेरुआ या ऐपन (पिसे हुए चावल व हल्दी का गीला लेप) से नाग बनाया जाता है। पटरे या जमीन को गोबर से लीपकर, उस पर सांप का चित्र बना के पूजा की जाती है। गंध, पुष्प, कच्चा दूध, खीर, भीगे चने, लावा आदि से नागपूजा होती है। जहां सांप की बाबी दिखे, वहां कच्चा दूध और लावा चढ़ाया जाता है। इस दिन सर्पदर्शन बहुत शुभ माना जाता है।

नागपूजन करते समय इन 12 प्रसिद्ध नागों के नाम लिये जाते हैं- धृतराष्ट्र, कर्कोटक, अश्वतर, शंखपाल, पद्म, कम्बल, अनंत, शेष, वासुकी, पिंगल, तक्षक और कालिय। साथ ही इनसे अपने परिवार की रक्षा के लिए प्रार्थना की जाती है। इस दिन सूर्यास्त के बाद जमीन खोदने की मनाही होती है। इस दिन नाग को मारना नहीं चाहिए। साथ ही नागों को दूध पिलाने का कार्य भी नहीं करना चाहिए। दरअसल, दूध पिलाना नागों की मृत्यु का कारण बनता है। ऐसे में नागपंचमी के दिन नागों को दूध पिलाना अपने हाथों से अपने देवता की जान लेने के समान है। इसलिए ऐसा करने से बचना चाहिए।

मनसा देवी की पूजा

उत्तर भारत में नागपंचमी के दिन मनसा देवी की पूजा करने का विधान भी है। मनसा देवी को भगवान शिव की मानस पुत्री और नागराज वासुकी की बहन के रूप में पूजा जाता है। देवी मनसा को नागों की देवी माना गया है, इसलिए बंगाल, ओडिशा और अन्य क्षेत्रों में नागपंचमी के दिन मनसा देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। शिव की आराधना भी नागपंचमी के पूजन से जुड़ी है। पशुओं के पालनहार होने की वजह से शिव की पूजा पशुपतिनाथ के रूप में भी की जाती है। शिव की आराधना करने वालों को पशुओं के साथ सहृदयता का बर्ताव करना जरूरी है। नागपंचमी के दिन भगवान शिव का अभिषेक करने से कालसर्प दोष से मुक्ति मिल जाती है।

नागपंचमी के दिन करें इन 8 नागों की पूजा

नाग पंचमी का त्योहार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। इस दिन नागों की पूजा प्रधान रूप से की जाती है। कुछ प्रदेशों में चैत्र व भाद्रपद शुक्ल पंचमी के दिन भी नाग पंचमी मनाई जाती है। इस बार अंग्रेजी माह के अनुसार 2 अगस्त 2022 को शुक्ल पक्ष की पंचमी को नागपंचमी का त्योहार रहेगा। ज्योतिष के अनुसार पंचमी तिथि के स्वामी नाग हैं। इस दिन अष्ट नागों की पूजा प्रधान रूप से की जाती है। नागों की पूजा के पूर्व मां मनसा देवी की पूजा करना जरूरी है। अष्टनागों के नाम है –

- अनन्त (शेष) : विष्णु के सेवक
- वासुकि : शिव के सेवक
- पद्म
- महापद्म
- तक्षक
- कुलीर
- कर्कोटक
- शंख

भारत में उपरोक्त आठों के कुल का ही क्रमशः विस्तार हुआ जिनमें निम्न नागवंशी रहे हैं- महापद्म, कुलिक, नल, कवर्धा, फणि-नाग, भोगिन, सदाचंद्र, धनधर्मा, भूतनंदि, शिशुनंदि या यशनंदि तनक, तुश्त, ऐरावत, धृतराष्ट्र, अहि, मणिभद्र, अलापत्र, शंख चूड़, कम्बल, अंशतर, धनंजय, कालिया, सौंफू, दौद्धिया, काली, तखतू, धूमल, फाहल, काना, गुलिका, सरकोटा इत्यादी नाम के नाग वंश हैं। अग्निपुराण में 80 प्रकार के नाग कुलों का वर्णन है।

भगवान श्रीकृष्ण का क्या संबंध है इस त्योहार से

नाग पंचमी एक संवेदनशील पर्व है। नाग जहां भगवान शिव के गले के हार हैं। वहीं भगवान विष्णु की शैय्या भी। लोकजीवन में भी लोगों का नागों से गहरा नाता है। कई पवित्र कारणों से नाग की देवता के रूप में पूजा की जाती है।

नाग पंचमी और श्री कृष्ण का संबंध नाग पंचमी की पूजा का एक प्रसंग भगवान श्री कृष्ण से जुड़ा हुआ है। बालकृष्ण जब अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे तो उन्हें मारने के लिए कंस ने कालिया नामक नाग को भेजा। पहले उसने गांव में आतंक मचाया। लोग भयभीत रहने लगे।

एक दिन जब श्री कृष्ण अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे तो उनकी गेंद नदी में गिर गई। जब वे उसे लाने के लिए नदी में उतरे तो कालिया ने उन पर आक्रमण कर दिया फिर क्या था कालिया की जान पर बन आई। भगवान श्री कृष्ण से माफी मांगते हुए गांव वालों को हानि न पंहुचाने का वचन देकर नागदेव वहां से चले गए। कालिया नाग पर श्री कृष्ण की विजय को भी नाग पंचमी के रूप में मनाया जाता है।

नाग पंचमी पर क्या करें क्या न करें

इस दिन भूमि की खुदाई नहीं की जाती। नाग पूजा के लिए नागदेव की तस्वीर या फिर मिट्टी या धातु से बनी प्रतिमा की पूजा की जाती है। दूध, धान, खील और दूब चढ़ावे के रूप मे अर्पित की जाती है। सपेरों से किसी नाग को खरीदकर उन्हें मुक्त भी कराया जाता है। जीवित सर्प को दूध पिलाकर भी नागदेवता को प्रसन्न किया जाता है।

बहुत खास है उज्जैन का नागचंद्रेश्वर मंदिर, साल में बस एक बार होते हैं दर्शन

श्रावण मास के कृष्ण पक्ष की पंचमी को नागपंचमी का त्योहार मनाया जाता है।

उज्जैन स्थित महाकालेश्वर के शीखर के नीचे स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर वर्ष में एक बार ही खुलता है।

नागचंद्रेश्वर मंदिर उज्जैन

- नागचंद्रेश्वर का जो की उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल मंदिर की तीसरी मंजिल पर स्थित है।
- इसकी खास बात यह है कि यह मंदिर साल में सिर्फ एक दिन नागपंचमी पर ही दर्शनों के लिए खोला जाता है।
- ऐसी मान्यता है कि नागराज तक्षक स्वयं मंदिर में रहते हैं।
- इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां पर शिवजी शिवजी, गणेशजी और मां पार्वती के साथ दशमुखी सर्प शय्या पर विराजित हैं।
- शिवशंभु के गले और भुजाओं में भुजंग लिपटे हुए हैं। उज्जैन के अलावा दुनिया में कहीं भी ऐसी प्रतिमा नहीं है।
- नागचंद्रेश्वर मंदिर में 11वीं शताब्दी की एक अद्भुत प्रतिमा है, इसमें फन फैलाए नाग के आसन पर शिव-पार्वती बैठे हैं।
- हते हैं यह प्रतिमा नेपाल से यहां लाई गई थी। उज्जैन के अलावा दुनिया में कहीं भी ऐसी प्रतिमा नहीं है।
- पूरी दुनिया में यह एकमात्र ऐसा मंदिर है, जिसमें विष्णु भगवान की जगह भगवान भोलेनाथ सर्प शय्या पर विराजमान हैं।

कितना प्राचीन है मंदिर

यह मंदिर काफी प्राचीन है। माना जाता है कि परमार राजा भोज ने 1050 ईस्वी के लगभग इस मंदिर का निर्माण करवाया था। इसके बाद सिंधिया घराने के महाराज राणोजी सिंधिया ने 1732 में महाकाल मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। उस समय इस मंदिर का भी जीर्णोद्धार हुआ था। सभी की यही मनोकामना रहती है कि नागराज पर विराजे शिवशंभु की उन्हें एक झलक मिल जाए। लगभग दो लाख से ज्यादा भक्त एक ही दिन में नागदेव के दर्शन करते हैं।

पौराणिक मान्यता

सर्पराज तक्षक ने शिवशंकर को मनाने के लिए घोर तपस्या की थी। तपस्या से भोलेनाथ प्रसन्न हुए और उन्होंने सर्पो के राजा तक्षक नाग को अमरत्व का वरदान दिया। मान्यता है कि उसके बाद से तक्षक राजा ने प्रभु के सान्निध्य में ही वास करना शुरू कर दिया। लेकिन महाकाल वन में वास करने से पूर्व उनकी यही मंशा थी कि उनके एकांत में विघ्न ना हो अतः वर्षो से यही प्रथा है कि मात्र नागपंचमी के दिन ही वे दर्शन को उपलब्ध होते हैं। शेष समय उनके सम्मान में परंपरा के अनुसार मंदिर बंद रहता है। इस मंदिर में दर्शन करने के बाद व्यक्ति किसी भी तरह के सर्पदोष से मुक्त हो जाता है, इसलिए नागपंचमी के दिन खुलने वाले इस मंदिर के बाहर भक्तों की लंबी कतार लगी रहती है।

कालसर्प योग है और पूजा नहीं कर पा रहे हैं तो यह अद्भुत मंत्र देगा उत्तम फल

यदि जिस किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में कालसर्प दोष होता है, वह जीवन में अनेक समस्याओं से घिरा होता है, परेशानियां निरंतर आती रहती हैं। वैसे तो कालसर्प दोष से मुक्ति पूजन करने से भी होती है, लेकिन यदि आप कालसर्प दोष की पूजा नहीं कर पा रहे हैं तो घबराएं नहीं। यहां आपके लिए विशेष तौर पर प्रस्तुत हैं 9 नागों का एक चमत्कारिक मंत्र। जो आपके जीवन में चल रही परेशानियां दूर करने के साथ ही अच्छे फल भी देगा। इस संबंध में प्राचीन धर्मग्रंथों में उल्लेख हैं कि यदि किसी जातक की कुंडली में यदि कालसर्प दोष हो तो वह नागपंचमी पर भगवान शिव जी और नाग देवता का पूजन-अर्चन करके इस दोष से मुक्ति पा सकता है। लेकिन यदि अगर किसी कारणवश आप नाग पूजा या विधान नहीं करवा पा रहे हैं तो बस नाग देवता को समर्पित यह 9 नामों वाला अलौकिक नाग अवश्य पढ़ें, इससे आपको काफी राहत मिलेगी।

अनन्तं वासुकिं शेषं पद्मनाभं च कम्बलम।
शंखपालं धार्तराष्ट्रं तक्षकं कालियं तथा।।
एतानि नव नामानि नागानां च महात्मनाम।
सायंकाले पठेन्नित्यं प्रातः काले विशेषतः।
तस्मै विषभयं नास्ति सर्वत्र विजयी भवत।।

इस नाग मंत्र का पाठ कम से कम 11 बार अवश्य करें।

कुंडली में विषयोग या विषकन्या योग है तो करें नागपंचमी पर ये उपाय

यदि आपकी कुंडली में विष योग, विष कन्या योग या अश्वगंधा योग है तो आप नागपंचमी के दिन विशेष रूप से नागदेव की पूजा करके इस योग से मुक्ति हो सकते हैं। यह योग जब तक रहता है आपकी तरक्की सहित जीवन के हर कार्य में रुकावट आती रहती है। नागपंचमी पर इन दुर्योगों के उपाय करने का सबसे अच्छा दिन है।

विषयोग

- चंद्र और शनि किसी भी भाव में इकट्ठा बैठे हो तो विष योग बनता है।
- गोचर में जब शनि चंद्र के ऊपर से या जब चंद्र शनि के ऊपर से निकलता है तब विष योग बनता है। जब भी चंद्रमा गोचर में शनि अथवा राहु की राशि में आता है विष योग बनता है।
- कुछ ज्योतिष विद्वान मानते हैं कि युति के अलावा शनि की चंद्र पर दृष्टि से भी विष योग बनता है।
- कर्क राशि में शनि पुष्य नक्षत्र में हो और चंद्रमा मकर राशि में श्रवण नक्षत्र में हो अथवा चन्द्र और शनि विपरीत स्थिति में हों और दोनों अपने-अपने स्थान से एक दूसरे को देख रहे हों तो तब भी विष योग बनता है।
- यदि 8वें स्थान पर राहु मौजूद हो और शनि मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक लग्न में हो तो भी विष योग बनता है।
- शनि की दशा और चंद्र का प्रत्यंतर हो अथवा चंद्र की दशा हो एवं शनि का प्रत्यंतर हो तो भी विष योग बनता है।

विषकन्या योग

- शनि प्रथम भाव में, सूर्य पंचम भाव में और मंगल नवम भाव में स्थित हो तो 'विषकन्या' योग बनता है।
- किसी स्त्री की जन्मपत्रिका में लग्न व केन्द्र में पाप ग्रह हों व समस्त शुभ ग्रह शत्रु क्षेत्री या षष्ठ, अष्टम व द्वादश स्थानों में हो तो विषकन्या योग बनता है।
- स्त्री का जन्म रविवार, मंगलवार व शनिवार को 2,7,12 तिथि के अन्तर्गत अश्लेषा, शतभिषा, कृत्तिका नक्षत्र में हो तो विषकन्या योग बनता है।

नागपंचमी पर करें ये उपाय

- इस दिन चतुर्थी के दिन एक बार भोजन करें तथा पंचमी के दिन उपवास करके शाम को अन्न ग्रहण करें।
- नागों की पूजा करने के लिए उनके चित्र या मूर्ति को लकड़ी के पाट के उपर स्थापित करके पूजन किया जाता है। शिव और पार्वती के चित्र या मूर्ति के साथ ही नाग पूजा करें।
- मूर्ति पर हल्दी, कंकु, रोली, चावल और फूल चढ़कर पूजा करते हैं और उसके बाद कच्चा दूध, घी, चीनी मिलाकर नाग मूर्ति को अर्पित करते हैं।
- पूजन करने के बाद सर्प देवता की आरती उतारी जाती है।
- अंत में नाग पंचमी की कथा अवश्य सुनते हैं और श्रीसर्प सूक्त का पाठ करें।
- इसके बाद 'ऊं कुरु कुल्ले फट् स्वाहा' का जाप करते हुए घर में सभी जगह जल छिड़कें।
- नाग पंचमी के दिन श्रीमद भागवत पुराण और श्री हरिवंश पुराण का पाठ करवाएं।
- माथे पर चंदन का तिलक लगाएं। घर में चारों दिशाओं में कर्पूर जलाएं। कर्पूर जलाने से देवदोष व पितृदोष का शमन होता है।
- ऐसे शिव मंदिर में जहां शिवलिंग पर नाग मूर्ति विराजमान न हो तो प्रतिष्ठा करवाकर नाग चढ़ाएं। नाग पंचमी इसके लिए विशेष दिन होता है।

संक्षिप्त समाचार

धूमधाम से निकली तीसरी डाक कांवड यात्रा

राजनांदगांव। सावन पर्व के तीसरे सोमवार डाक कांवड यात्रा मोहरा शिवनाथ नदी से जल लेकर बर्फानी धाम मां पाताल भैरवी मंदिर पहुंची। इसी क्रम में हिंदू जागरण मंच ने नंदई चौक, गंज चौक एवं मानव मंदिर चौक में फूल बरसा कर डाक कांवरियो के साथ अन्य कांवरियों का स्वागत अभिनंदन किया। हिंदू जागरण मंच के द्वारा डाक कावड़िया के लिए रास्ते मे जल की व्यवस्था भी की गई थी। डाक कांवड बर्फानी धाम पहुंचने पर राजेश मारू ने पुष्प से स्वागत कर फलाहारी की व्यवस्था की गई। आयोजनकर्ता शिवगण मां पाताल भैरवी बर्फानी धाम से राजेश मारू, श्री महाकाल मंदिर सिंघोला से पवन डागा, हिंदू जागरण मंच से सुशील लड्ढा शामिल थे। आज दूसरे सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, राज बहादुर सिंह, छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना के जिला अध्यक्ष विजय साहू, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के जिला अध्यक्ष मनीष देवांगन सिटी बजाकर इस यात्रा को प्रारंभ किया एवं 4.8.25 को चौथे सोमवार को लोधेश्वर धाम ग्राम छिपा (मुसरा) मोहरा शिवनाथ नदी से जल लेकर जाएगी। इस यात्रा मे जीवनदान सेवा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र लाल जंघेल, प्रदेश महासचिव हरीश भानुशाली, प्रदेश उपाध्यक्ष अभय जंघेल, भारतभूषण वैष्णण, कोषाध्यक्ष अमर सिंह राजपूत, आनंद मुदंडा, राजनांदगांव जिलाध्यक्ष अविनाश जैन, जिला उपाध्यक्ष अमित चौहान, शहर अध्यक्ष रिषभ मल्ल, महेश्वर जंघेल, यस साहू, रितेश साहू, चंदन साहू, राहुल साहू, सत्यम ओझा, शिवम ओझा, बेटी चेष्टा जंघेल, मिताली वर्मा, पूर्व जंघेल, ग्राम भाटापारा उपसरपंच दीपक वैष्णव, अनुज, नितिन, दुर्गेश, दिव्यांश, कमलेश डड़सेना आदि उपस्थित थे।

नागपंचमी के दिन कैथा में भव्य मेला महोत्सव का आयोजन, बड़ी संख्या में श्रद्धालु होंगे शामिल

बिर्रा। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी नागपंचमी के पावन पर्व पर मल्दा के समीप स्थित कैथा गांव में 29 जुलाई को बिरतिया बाबा पूजन एवं नागपंचमी मेला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। सरपंच, पंचगण समेत गांव के लोग इस आयोजन को सफल बनाने तैयारी में जुटे हैं, नागपंचमी के दिन बड़ी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु कैथा के बिरतिया बाबा मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना, दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं मांगेंगे। कैथा के मेला प्रांगण में नागपंचमी के दिन भव्य मेला का भी आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विरितिया बाबा के पूजन के साथ-साथ नागपंचमी पर्व को सामाजिक और धार्मिक समरसता के साथ मनाना है। आयोजक समिति के सदस्यों ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बाबा का दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करें एवं मेला महोत्सव का आनंद लें। गांव में स्थित बिरतिया बाबा मंदिर की बड़ी मान्यता है कि यहां सांप बिच्छू के दंश से पीड़ितों को नया जीवन मिलता है, ऐसी मान्यता है कि गांव की मिट्टी खिलाने से सांप बिच्छू के दंश से पीड़ितों को रहता ही नहीं मिलता बल्कि वे ठीक भी हो जातें है। सांप बिच्छू के दंश से शरीर में फैला जहर मिट्टी खाने के बाद समाप्त हो जाता है और पीड़ित को नवजीवन मिलता है। नागपंचमी के दिन गांव के बिरतिया बाबा मंदिर में विशेष पूजा अर्चना होती है । दूर दराज क्षेत्रों के श्रद्धालु हाथ में नारियल अगरबत्ती लेकर बिरतिया बाबा मंदिर पहुंचकर दर्शन कर पूजा अर्चना करते हैं।

छुईखदान जनपद में भुगतान घोटाला : जीरो टॉलरेंस अब सिर्फ नारा?

खैरागढ़ (समय दर्शन)। जनपद पंचायत छुईखदान में करोड़ों रुपये के कथित भुगतान घोटाले का मामला सामने आने के बाद भी दोषियों के विरुद्ध अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होना कई सवाल खड़े कर रहा है। शासन की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति अब कटघरे में है।

गौरतलब है कि जून माह में इस घोटाले का खुलासा हुआ था, जिसके बाद जिला प्रशासन ने जांच प्रक्रिया प्रारंभ की थी। लेकिन जांच के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई। हैरानी की बात यह है कि आज तक जांच समिति ने शिकायतकर्ता का बयान तक दर्ज नहीं किया है।

एकल हस्ताक्षर से हुआ करोड़ों का भुगतान- सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत में विकास कार्यों की राशि बिना पंचायत की स्वीकृति के, एकतरफ निर्णय लेकर सीधे वेंडरों, ऑपरेटर और ग्राम सचिवों को वितरित कर दी गई। इस प्रक्रिया में नियमों की खुलेआम अनदेखी की गई।

राजनीतिक संरक्षण का आरोप - इस मामले पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष गजेन्द्र ठाकरे ने भाजपा नेताओं पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि दोषी अधिकारियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण कार्रवाई लंबित है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में भी भ्रष्टाचार पर कार्रवाई नहीं होना दुर्भाग्यजनक है।

विधानसभा में उठा मामला, पर कार्यवाही पर चुप्पी

विधानसभा सत्र में खैरागढ़ विधायक द्वारा इस घोटाले का मुद्दा उठाया गया था। जवाब में उपमुख्यमंत्री और पंचायत मंत्री ने स्वीकार किया कि जनपद से सीधे वेंडरों को भुगतान हुआ है और प्रक्रिया में अनियमितता पाई गई है। इसके बावजूद दोषियों पर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। इससे आमजन में यह धारणा गहराती जा रही है कि जीरो टॉलरेंस अब केवल एक राजनीतिक जुमला बनकर रह गया है।

निलंबन प्रस्ताव के बाद भी खामोश जिला प्रशासन- जनपद पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति ने 18 जून को बैठक कर सीईओ और ऑपरेटर को निलंबित करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया था। लेकिन अब तक न तो उस पर अमल किया गया और न ही संबंधित अधिकारियों को नोटिस भेजा गया।

न्यायालय की शरण में जाएंगे जनपद सदस्य- जनपद सदस्यों ने अब न्यायालय का रूख करने का निर्णय लिया है। उनका कहना है कि जब शासन-प्रशासन दोषियों को बचाने में लगे हों, तब न्यायालय ही अंतिम विकल्प बचता है। साथ ही उन्होंने मांग की है कि जिला पंचायत के वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए।

आमजन में गहरा आक्रोश- जनता का कहना है कि यदि इस प्रकार घोटालों को नजरअंदाज किया जाता रहा तो शासन की साख पर बट्टा लगेगा। अब जरूरत इस बात की है कि शासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों पर तत्काल कार्रवाई करे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके।

मिलावटी एवं नकली खाद्य सामाग्रियों के विक्रय रोकने की गई जांच

मुंगेली(समय दर्शन) जिले में आगामी त्यौहारों के दौरान खाद्य सामाग्रियों में मिलावट एवं नकली खाद्य सामाग्रियों के विक्रय पर रोक लगाने कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार खाद्य दुकानों की लगातार जांच की जा रही है। इसी कड़ी में एसडीएम पथरिया अजय शतरंज सहित औषधि प्रशासन तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नगर पंचायत पथरिया के विभिन्न खाद्य दुकानों जैसे मोहन हॉटल, छाबड़ा स्वीट्स एण्ड नमकीन, फर्म जय न्यू लक्ष्मी जोधपुरी स्वीट्स एण्ड नमकीन और शिवम किराना एण्ड जनरल स्टोर्स का निरीक्षण एवं जांच की गई।

इस दौरान खाद्य सामाग्री की गुणवत्ता जांच हेतु 500 ग्राम लड्डू, 250 ग्राम मिल्क केक, 500 ग्राम लूज मोतीचूर लड्डू 600 ग्राम पैक्ड स्पेशल स्वीट्स का नमूना लेकर उन्हें जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है। कार्यवाही के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता जांची गई एवं खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत आवश्यक निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजीत बघेल, पथरिया थाना के सहायक उपनिरीक्षक नरेंद्र कुमार साहू सहित पुलिस बल भी मौजूद रहा।

बिना प्रिस्क्रिप्शन नारकोटिक्स दवाओं की बिक्री रोकने मेडिकल स्टोर्स की गई जांच

मुंगेली(समय दर्शन)जिले में बिना प्रिस्क्रिप्शन नारकोटिक्स दवाओं के विक्रय तथा प्रतिबंधित औषधियों के क्रय-विक्रय पर रोक लगाने कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार विभिन्न मेडिकल स्टोर्स की जांच की गई। इसी कड़ी में मुंगेली एसडीएम श्रीमती पार्वती पटेल सहित राजस्व एवं औषधि विभाग की टीम द्वारा मुंगेली एवं लोरमी नगर पालिका अंतर्गत स्थित अशोक मेडिकल स्टोर्स, महादेव मेडिकल स्टोर्स, गणेश मेडिकल स्टोर्स, आदित्य फार्मा, महामाया मेडिकल फुलवारी, महामाया मेडिकल स्टोर्स ढोलगी और संकट मोचन मेडिकल स्टोर्स में जांच की गई। इस दौरान 04 मेडिकल स्टोर्स संचालकों द्वारा औषधियों के क्रय-विक्रय दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और औषधि अधिनियम के नियमों के तहत मेडिकल स्टोर्स का संचालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार, नायब तहसीलदार, औषधि निरीक्षक महेन्द्र देवांगन एवं लोरमी क्षेत्र से रत्नेश बरगाह सहित विभागीय टीम उपस्थित रही।

शासकीय विद्यालय जुनवानी के विद्यार्थियों को नि:शुल्क रेनकोट किए प्रदान

रोटरी क्लब ऑफभिलाई ग्रेटर की सराहनीय पहल

भिलाई। शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जुनवानी भिलाई में प्राचार्य की पहल से रोटरी क्लब ऑफभिलाई ग्रेटर ने अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए एक सराहनीय पहल की है । जुनवानी विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा पहली से आठवीं तक के कुल 250 विद्यार्थियों को नि:शुल्क रेनकोट प्रदान किए । साथ ही साथ बच्चों को हैंडवाश करने के सही तरीके भी बताएं। पौधा देकर शिक्षकों का सम्मान भी किया गया । इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल ने रोटरी क्लब के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के चेहरों पर रेनकोट पाकर जो मुस्कान आई, वही क्लब की सबसे बड़ी उपलब्धि हैं ।पूर्व अध्यक्ष श्री मलय जैन ने बताया कि हमारा क्लब विशेष रूप - साक्षरता , स्वास्थ्य और पर्यावरण को ध्यान में रखकर सामाजिक उत्तरदायित्वों का सतत् रूप से निर्वहन कर रहा । प्राचार्य श्रीमती वर्षा ठाकुर ने इस प्रेरक पहल के लिए रोटरी क्लब भिलाई की पूरी टीम को विद्यालय परिवार की ओर से तहे दिल से धन्यवाद देते हुए कहा कि आपका सहयोग निश्चित रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा । बारिश के दिनों में विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति कम हो जाती है या बच्चे भीगते हुए विद्यालय आते हैं ऐसी स्थिति में उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है । रेनकोट मिल जाने से बारिश में भी बच्चों की पूरी उपस्थिति रहेगी , पढ़ाई बाधित नहीं होगी ।

रेनकोट पाकर बच्चे बहुत खुश हुए । बारिश के दिनों में रेनकोट पहन कर आने का वादा भी किए । कुछ बच्चे तुरंत रेनकोट पहनकर खुशी से झूमने लगे । इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल , सर्वेश अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) , सदस्य अंशुल अग्रवाल , सिद्धार्थ अग्रवाल , केतन सांघवी ,अचल सूरी ,पूर्व अध्यक्ष मलय जैन ,अभिनव अग्रवाल ,दिलीप गोलछा , प्रधान पाठक श्रीमती सुरभि सिंह , संकुल समन्वयक,हरनारायण सिंह राजपूत,व्याख्याता श्रीमती एशमी बंजारे ,सोनल सिंह , केवट , ओमप्रकाश , पाल , देशलहरा सहित सभी शिक्षकों और बड़ी संख्या में पालकों एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

सिंघोडा पुलिस की बडी कार्यवाही : चोरी कि मोटर सायकल के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से दो मोटर सायकल 1- एच एफडिलक्स क्रमांक CG 13 AT 2901 किमती 20000 रूपये, 2- बजाज पल्सर मोटर सा. क्र.CG 25 M 5517 किमती 50000 रूपये जप्त

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) - प्रार्थी महादेव सिदार पिता स्व भागीरथी सिदार उम्र 45 साल साकिन परसकोल थाना सिंघोडा जिला महासमुंद छत्तीसगढ थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 24.07.2025 के रात्रि में मोटर सायकल एच एफ डिलक्स क्रमांक CG 13 AT 2901 को अपने घर के सामने खडी कर रखा था दिनांक 25/07/2025 के सुबह करीबन 07:00 बजे उठकर देखा तो उसका मोटर सायकल वहा पर नही था, जिस संबंध मे एक लिखित आवेदन पेश किया आवेदन के अवलोकन पर प्रथम दृष्टया मे अपराध धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता का अपराध घटित होना पाये जाने से अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। प्रकरण में प्रार्थी एवं गवाहो से पुछताछ किया गया , घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी के फुटेज चेक किया गया, मुखबिर से सूचना मिला कि चोरी का मोटर साइकल ग्राम पतेरापाली के जीर्वधन सेठ और नयन यादव के पास होना बताया, मुखबिर सूचना पर ग्राम पतेरापाली जाकर हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर दोनों आरोपी ने अपना नाम 1 जीर्वधन सेठ पिता संजय सेठ उम्र 23 साल एवं 2 नयन यादव पिता राजेश यादव उम्र 24 साल साकिनान पतेरापाली थाना सरायपाली जिला महासमुंद (छ.ग.) का निवासी होना बताया द्य थाना सिंघोडा पुलिस द्वारा पुछताछ करने पर उक्त मोटर सायकल को चोरी करना स्वीकार किए तथा आरोपियों के कब्जे से दो मोटर सायकल 1-एच एफ डिलक्स क्रमांक CG 13 AT 2901 किमती 20000 रूपये, 2- बजाज पल्सर मोटर सा. क्र.CG 25 M 5517 किमती 50000 रूपये को जप्त किया गया । आरोपियों के विरुद्ध पर्याप्त सबूत पाए जाने से आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

एएम/एनएस इंडिया ने स्टील स्लैग तकनीक का लाइसेंस हासिल कर खोला 'वेस्ट-टू-वेल्थ' का नया द्वार

सड़क निर्माण में क्रांति: एएम/एनएस इंडिया बनी स्टील स्लैग एग्रीगेट्स तकनीक की पहली लाइसेंसधारी कंपनी

एएम/एनएस इंडिया की सर्कुलर इकॉनॉमी पहल: स्टील स्लैग से टिकाऊ सड़क निर्माण को बढ़ावा

आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया ने स्टील स्लैग तकनीक का लाइसेंस हासिल कर रचा इतिहास, सड़क निर्माण में 'वेस्ट-टू-वेल्थ' को बढ़ावा

दंतेवाड़ा दिल्ली/मुंबई, आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया (एएम/एनएस इंडिया) ने काउंसिल ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (सीएसआईआर) - सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीआरआरआई) से स्टील स्लैग वैल्यूराइजेशन तकनीक का लाइसेंस हासिल कर देश में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह भारत की पहली कंपनी है, जिसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन कार्यरत सीएसआईआर-सीआरआरआई से इस नवाचार तकनीक का लाइसेंस प्राप्त हुआ है। यह तकनीक स्टील स्लैग को वैज्ञानिक रूप से प्रोसेस कर सड़क और भवन निर्माण में उपयोगी एग्रीगेट्स में बदलने की अनुमति देती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और पर्यावरणीय प्रभाव में कमी आएगी।

एएम/एनएस इंडिया अपने गुजरात के हजीरा स्थित प्रमुख संयंत्र में इस तकनीक का उपयोग कर एएम/एनएस आकार ब्रांड के तहत प्रोसेस्ड स्टील स्लैग एग्रीगेट्स का उत्पादन कर रही है। यह उत्पाद सीएसआईआर-सीआरआरआई के कड़े तकनीकी मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण दिशानिर्देशों का पालन करता है। कंपनी प्रतिवर्ष लगभग 1.7 मिलियन टन स्टील स्लैग का उत्पादन करती है, जिसे अब इस तकनीक के जरिए सड़क निर्माण के लिए उपयोग किया जा सकता है। प्रोसेस्ड स्टील स्लैग एग्रीगेट्स पारंपरिक प्राकृतिक सामग्री की तुलना में अधिक मजबूत, टिकाऊ और 30-40त्न अधिक लागत प्रभावी हैं। यह तकनीक सड़कों के रखरखाव और मरम्मत की लागत को भी कम करती है, जिससे यह तटीय और पहाड़ी क्षेत्रों सहित विभिन्न परिस्थितियों के लिए उपयुक्त है।

सीएसआईआर-सीआरआरआई के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक सतीश पांडे ने कहा, भारत में हर साल 19 मिलियन टन से अधिक स्टील स्लैग उत्पन्न होता है। बिना प्रोसेस किए स्लैग का उपयोग निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और स्थायित्व को प्रभावित करता है। यह लाइसेंस एएम/एनएस इंडिया को विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए स्लैग का उत्पादन और विपणन करने में सक्षम बनाता है, जो सड़क निर्माण में क्रांति ला सकता है।

एएम/एनएस इंडिया के निदेशक और उपाध्यक्ष (सेल्स एंड मार्केटिंग) रंजन धर ने कहा, यह लाइसेंस हमारी सर्कुलर इकॉनॉमी और 'वेस्ट-टू-वेल्थ' के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमने हजीरा में विश्व की संभवत: पहली 'ऑल स्टील स्लैग रोड' बनाई, जिसे 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' और 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में स्थान मिला। यह तकनीक भारत के नेट-जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देगी।

इस तकनीक के व्यापक उपयोग से भारत के स्टील स्लैग उत्पादन, जो वित्त वर्ष 2030-31 तक 60 मिलियन टन तक पहुंच सकता है, का प्रभावी उपयोग हो सकेगा। स्टील मंत्रालय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के सहयोग से इस तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। यह पहल सर्कुलर इकॉनॉमी को गति देगी, जिससे 2050 तक 2 ट्रिलियन का बाजार और 1 करोड़ नौकरियां सृजित होने की संभावना है।

तीन संभावित हेडलाइंस: एएम/एनएस इंडिया ने स्टील स्लैग तकनीक का लाइसेंस हासिल कर खोला 'वेस्ट-टू-वेल्थ' का नया द्वार सड़क निर्माण में क्रांति: एएम/एनएस इंडिया बनी स्टील स्लैग एग्रीगेट्स तकनीक की पहली लाइसेंसधारी कंपनी एएम/एनएस इंडिया की सर्कुलर इकॉनॉमी पहल: स्टील स्लैग से टिकाऊ सड़क निर्माण को बढ़ावा

खबर-खास

कोटक म्युचुअल फंड ने लॉन्च किया 'कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड' - अर्निंग्स ग्रोथ को भुनाने की रणनीति

मुंबई। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (कोटक म्युचुअल फंड) ने 'कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड' लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम है जो मोमेंटम थीम पर आधारित है। यह फंड कंपनी के इन-हाउस विकसित मॉडल के आधार पर उन शेयरों की पहचान करता है जिनमें अर्निंग्स मोमेंटम हो, यानी जिनकी आय में वृद्धि हो रही हो। यह स्कीम 29 जुलाई 2025 से 12 अगस्त 2025 तक सार्वजनिक निवेश के लिए खुली रहेगी। मोमेंटम निवेश का सामान्यत: अर्थ है उन शेयरों में निवेश करना जिनकी कीमतों में तेजी हो, उम्मीद के साथ कि यह ट्रेंड जारी रहेगा। हालांकि, यह सिर्फ कीमतों तक सीमित नहीं होता। अर्निंग्स मोमेंटम उन शेयरों पर ध्यान केंद्रित करता है जिनमें आय में सुधार हो रहा हो और जिनके बारे में विश्लेषकों की राय सकारात्मक हो। कोटक एक्टिव मोमेंटम फंड ऐसे कंपनियों को लक्ष्य बनाता है जिनकी प्रति शेयर आय (ईपीएस) बढ़ रही हो, चाहे वो विश्लेषकों की ओर से मिला अपग्रेड से हो या अप्रत्याशित रूप से अच्छे तिमाही परिणामों से। यह फंड कोटक म्युचुअल फंड द्वारा विकसित विशेष मॉडल पर आधारित है, जो अर्निंग्स व बिक्री में वृद्धि और एनालिस्ट्स की रेटिंग्स के आधार पर मोमेंटम को मापता है। कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर नीलेश शाह ने कहा , बाज़ार हमेशा अर्निंग्स के अधीन होते हैं। इतिहास गवाह है कि तेजी और मंदी दोनों दौरों में अर्निंग्स ने कीमतों से बेहतर प्रदर्शन किया है। यही हमारे फंड की नींव है। कोटक म्युचुअल फंड में हमने एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जो केवल कीमतों के रुझान से आगे की सोच रखता है।

नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल ने हरित ऊर्जा स्रोतों को बढ़ाया, एएमपीआईएन एनर्जी ट्रांज़िशन के साथ साझेदारी कर 205,167 मेगावाट घंटे (एमडब्लूएच) अतिरिक्त आईएसटीएस सोलर-विंड हाइब्रिड प्रोजेक्ट्स से ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित की

रायपुर: नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल और एएमपीआईएन एनर्जी ट्रांज़िशन ने अपनी साझेदारी को और मजबूत करते हुए 125.65 मेगावॉट सोलर-विंड हाइब्रिड एनर्जी की आपूर्ति के लिए एक नया पावर-व्हीलिंग समझौता किया है, जो इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) से जुड़े प्लांट्स के ज़रिए दी जाएगी। इस नई साझेदारी के साथ दोनों कंपनियों के बीच कुल रिन्यूएबल एनर्जी सहयोग 200 मेगावॉट के पार पहुँच चुका है। यह कदम नेक्स्ट्रा की इंफ्रास्ट्रक्चर एफिशिएंसी को बढ़ाएगा, डी-कार्बनाइजेशन को तेज़ करेगा और ऑपरेशनल एक्सीलेंस को मज़बूत करेगा — जिससे नेक्स्ट्रा भारत में सस्टेनेबल डेटा सेंटर सॉल्यूशंस का प्रमुख खिलाड़ी बना रहेगा। यह अतिरिक्त क्षमता नेक्स्ट्रा को दो चरणों में दी जाएगी — पहली राजस्थान और दूसरी कर्नाटक में कैप्टिव सोलर-विंड पावर प्रोजेक्ट्स के माध्यम से। एएमपीआईएन पहले से उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में इन्ट्रा-स्टेट ओपन एक्सेस के ज़रिए नेक्स्ट्रा को सोलर पावर सप्लाई कर रहा है। इस नए समझौते के तहत, एएमपीआईएन अब 11 और राज्यों में विस्तार करेगा और साथ ही बड़े पैमाने पर आईएसटीएस रिन्यूएबल एनर्जी सप्लाई और एकल इंडिपेंडेंट पावर प्रोड्यूसर (आईपीपी) से ग्रीन एनर्जी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल के सीईओ आशीष अरोड़ा ने कहा, सस्टेनेबिलिटी सिर्फ एक वादा नहीं है — यह हमारी ज़िम्मेदारी है और नेतृत्व का अवसर भी। एएमपीआईएन के साथ 200 मेगावॉट से अधिक रिन्यूएबल एनर्जी से अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को पावर देकर हम इंडस्ट्री के लिए नए मानक स्थापित कर रहे हैं। यह उपलब्धि इस बात को दर्शाती है कि हम आईएसटीएस-बेस्ड क्लीन एनर्जी से अपने डेटा सेंटर्स को सस्टेनेबली चला रहे हैं, जिससे भरोसेमंद सेवाएं मिलती हैं और जलवायु पर ठोस सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। नेक्स्ट्रा में हमारा लक्ष्य इनोवेशन को बढ़ावा देना और बदलाव की प्रेरणा देना है, ताकि हमारी सेवाएं न केवल भारत की डिजिटल ग्रोथ को बढ़ावा दें, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा भी करें। एएमपीआईएन एनर्जी ट्रांज़िशन के फाउंडर, एमडी और सीईओ पिनाकी भट्टाचार्य ने कहा, इस साझेदारी के माध्यम से हमने दिखाया है कि देशव्यापी उपस्थिति और इंटर-स्टेट व इन्ट्रा-स्टेट रिन्यूएबल एनर्जी समाधानों के सही मिश्रण से हम किसी भी ग्राहक को लगभग सौ फीसदी ग्रीन एनर्जी पर स्विच कर सकते हैं। नेक्स्ट्रा बाय एयरटेल, जो डेटा और तेजी से बढ़ते डेटा सेंटर क्षेत्र में अग्रणी है, हमारी सस्टेनेबिलिटी सोच से जुड़ा है और हम इस साझेदारी से डेटा सेंटर्स को हरित बनाने पर गर्व महसूस करते हैं। एएमपीआईएन की स्केलेबल और सस्टेनेबल एनर्जी सॉल्यूशंस प्रदान करने की नेतृत्व क्षमता इस बात का उदाहरण है कि वह कैसे तकनीकी और भौगोलिक विविधताओं के बीच दीर्घकालिक ग्राहक संबंध बनाता है।

किकिरदा में नक्शा चढ़वाने 6 माह से किसान काट रहा पटवारी का चक्कर,कलेक्टर से हुई शिकायत

पटवारी द्वारा बाहर के व्यक्ति को रखकर किया जाता है अवैध वसूली

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में सरकार चाहे लाख सुशासन कि बात करे लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही नजर आ रही है,यहां बिना चढ़ावा कुछ काम नही होता। ताजा मामला हसौद तहसील के ग्राम किकिरदा का है जहां पटवारी छत्रपाल सूर्यवंशी द्वारा नक्शा आनलाईन करने के एवज में अपने एक निज सहायक के द्वारा किसान से पैसे कि डिमांड कि गई जब पैसा मिला नहीं तो किसान को 6 महीने से घूमाया जा रहा है वहीं पूरे मामले कि शिकायत अब कलेक्टर से कि गई है।

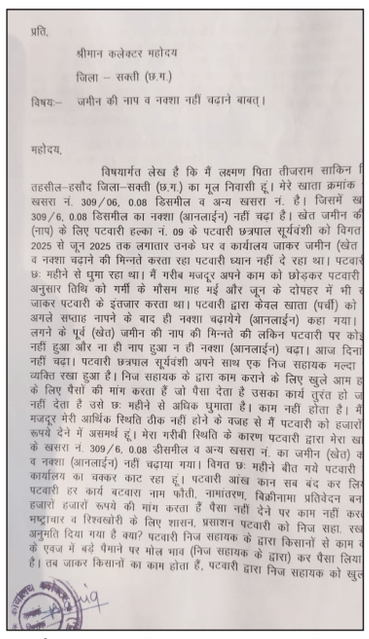

मिली जानकारी के अनुसार हसौद तहसील के ग्राम किकिरदा निवासी लक्ष्मण केवट ने अपनी शिकायत में बताया कि मेरे खाता क्रमांक 1377 खसरा नं. 309/06, 0.08 डिसमील व अन्य खसरा नं. है। जिसमें खसरा 309/6 0.08 डिसमील का नक्शा (आनलाईन) नहीं चढ़ा है। खेत जमीन की (नाप) के लिए पटवारी हल्का नं. 09 के पटवारी छत्रपाल सूर्यवंशी को विगत जनवरी 2025 से जून 2025 तक लगातार उनके घर व कार्यालय जाकर जमीन (खेत का ना व नक्शा चढ़ाने की मिन्नते करता रहा पटवारी ध्यान नहीं दे रहा था। पटवारी विगत छः महीने से घुमा रहा था। मैं गरीब मजदूर अपने काम को छोड़कर पटवारी के अनुसार तिथि को गर्मी के मौसम माह मई और जून के दोपहर में भी खेत जाकर पटवारी के इंतजार करता था। पटवारी द्वारा केवल खाता (पर्ची) को देखकर अगले सप्ताह नापने के बाद ही नक्शा चढ़ायेगे (आनलाईन) कहा गया। बरसात लगने के पूर्व (खेत) जमीन की नाप की मिन्नते की लेकिन पटवारी पर कोई असर नहीं हुआ और ना ही नाप हुआ न ही नक्शा (आनलाईन) चढ़ा। आज दिनांक तन नहीं चढ़ा। पटवारी छत्रपाल सूर्यवंशी

अपने साथ एक निज सहायक मल्दा निवास व्यक्ति रखा हुआ है। निज सहायक के द्वारा काम कराने के लिए खुले आम हर काम के लिए पैसों की मांग करता हैं जो पैसा देता है उसका कार्य तुरंत हो जाता है नहीं देता है उसे छः महीने से अधिक घुमाता है। काम नहीं होता है। मैं गरीब मजदूर मेरी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के वजह से मैं पटवारी को हजारों रूपये देने में असमर्थ हूं। मेरा गरीबी स्थिति के कारण पटवारी द्वारा मेरा खाता क्र के खसरा नं. 309/6, 0.08 डीसमील व अन्य खसरा नं. का जमीन (खेत) का नक्शा (आनलाईन) नहीं चढ़ाया गया। विगत छः महीने बीत गये पटवारी के घर,कार्यालय का चक्कर काट रहा हूं। पटवारी हर कार्य बटवारा नाम फौती, नामांतरण, बिक्रीनामा प्रतिवेदन बनाने हजारों हजारों रूपये की मांग करता हैं पैसा नहीं देने पर काम नहीं करता है।

बाहरी व्यक्ति को रखा निज सहायक,हर काम में करता है पैसे कि डिमांड- अब सवाल यह उठता है कि भ्रष्टाचार व रिश्वखोरी के लिए शासन, प्रसाशन पटवारी को निज सहा. रखने क अनुमति दिया गया है क्या? अवैध रूप से पटवारी निज सहायक रखकर उनके द्वारा किसानों से काम करवाने के एवज में बड़े पैमाने पर मोल भाव कर पैसा लिया जाता है,तब जाकर किसानों का काम होता हैं, पटवारी द्वारा निज सहायक को खुला छुट

देकर किसानों से पैसा वसूला जा रहा है। किसान अपना कार्य करवाने के लिए मुंह तक नहीं खोल रहे है। पटवारी के निज सहायक के द्वारा कहा जाता है कि पैसा दोगें तो काम होगा नहीं दोगें तो काम नहीं होगा जहां शिकायत करना हो कर सकते हो पैसा बोलता है। पटवारी से पावर ज्यादा निज सहायक दिखाता है। मैं गरीब मजदूर निज सहायक पटवारी को हजारों रूपये देने में असमर्थ हूं। इसीलिए पटवारी द्वारा खेत, जमीन की नाप व नक्शा (आनलाईन) विगत छः माह बीत जाने पर भी नहीं चढ़ाया गया। वही पूरे मामले कि शिकायत किसान ने कलेक्टर से कर न्याय कि गुहार लगाई है।

गरिमामय तरीका से मनाया जायेगा स्वतंत्रता दिवस

उच्च कार्यालयों के लंबित प्रकरणों को नियत समय में करें निराकरण - कलेक्टर श्री उइके

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बी.एस.उइके ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय-सीमा बैठक के पहले अधिकारियों की बैठक लेकर आगामी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की आवश्यक तैयारियों के संबंध में जानकारी ली ।बैठक में उन्होंने 15 अगस्त की सभी जरूरी तैयारियां समय बद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए ।कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम को गरिमामयी तरीके से भव्य रूप में आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागों को दिए गए दायित्वों का गंभीरता पूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही समारोह स्थल की अच्छे से तैयारी बैठक व्यवस्था,साफ सफाई,साज सज्जा,पेयजल,सुरक्षा,परेड,स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अन्य तैयारी भी अच्छे से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वतंत्रता दिवस की अंतिम रिहर्सल 13 अगस्त को सुबह पुलिस लाइन परेड ग्राउंड गरियाबंद में की जायेगी। इसमें सभी जिला अधिकारियों को उपस्थित रहने के भी निर्देश दिए गए। स्वतंत्रता दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को सम्मानित किया जाएगा ।इसके लिए विभागों को 10 अगस्त तक नाम निर्देशन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए ।उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले के सभी शासकीय,सार्वजनिक भवनों पर रोशनी करने के निर्देश दिये ।इस दौरान बैठक में सीईओ जिला पंचायत जी.आर. मरकाम,एडीएम अरविंद पाण्डेय,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र चन्द्राकर,अपर कलेक्टर नवीन भगत,सहित सभी एसडीएम एवं जिला अधिकारीगण मौजूद रहे।

इसके उपरांत कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए योजनाओं में प्रगति लाने आवश्यक निर्देश दिये ।साथ ही समय-सीमा में दर्ज,जनदर्शन,जनचौपाल,जन शिकायत पीजी पोर्टल,पीएमओ कार्यालय,हाई कोर्ट, लोक संवाद,सीपी ग्राम सहित उच्च कार्यालयों के लंबित प्रकरणों को नियत समय के भीतर निराकरण करने के निर्देश दिये ।कलेक्टर श्री उइके ने बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन कार्यो को प्राथमिकता के साथ पूरा करें। कलेक्टर ने कहा कि राज्य शासन के निर्देशानुसार इस वर्ष राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में रजत जयंती वर्ष 2025-26 का वृहद आयोजन किया जाएगा। इसके तहत विभिन्न विभाग 15 अगस्त से राज्य की उपलब्धियों,संस्कृति, पर्यटन,शिक्षा,स्वास्थ्य,आधारभूत संरचना, कृषि,महिला सशक्तिकरण आदि क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन करेंगे। महाअभियान 15 अगस्त 2025 से 31 मार्च 2026 तक चलेगा ।उन्होंने कहा कि रजत जयंती वर्ष की सभी तैयारियां जिले में तय समय के भीतर सुनिश्चित करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन करने के निर्देश दिये ।उन्होंने नगरीय निकाय के सभी सीएमओ को निर्देशित किया है कि नगरीय निकायों के मुख्यालय में घुमंतु मवेशियों के कारण सड़कों पर होने वाली दुघटनाओं को रोकने के लिए आवारा पशुओं को रोकने का नियमित अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने आवारा मवेशियों के नियंत्रण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चल रहे कार्यों की जानकारी लेकर निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करवाने के भी निर्देश दिये ।कलेक्टर ने बैठक में खरीफसीजन में जिले में चल रहे खेती-किसानी की भी जानकारी ली।

जिला स्तरीय शिक्षण उत्सव का आयोजन 30 जुलाई को राजिम में

गरियाबंद (समय दर्शन)। शासकीय स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए शिक्षण उत्सव का जिला स्तरीय आयोजन 30 जुलाई को राजिम में आयोजित किया जा रहा है ।इसका उद्देश्य शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों के योगदान को सम्मानित करना है ।यह आयोजन बच्चों को बेहतर,समावेशी और प्रेरणादायी शिक्षा दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिला स्तरीय कार्यक्रम 30 जुलाई 2025 को प्रेम रतन मैरिज पैलेस,राजिम में होगा ।इसमें जिले के लगभग 70 शिक्षक भाग लेंगे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों और प्रशासन के बीच समन्वय को सुदृढ़ करना है ।जिससे शिक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी और सहभागी बनाया जा सके ।इस कार्यक्रम का संचालन गरियाबंद के शिक्षकों द्वारा किया जाएगा, जिसमें ओपन लिंक्स फाउंडेशन की अहम भूमिका रहेगी।

इस कार्यक्रम में कलेक्टर बी.एस. उइके, जिला पंचायत सीईओ जी.आर.मरकाम, जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंग धीर,जिला मिशन समन्वयक शिवेश कुमार शुक्ला,श्याम कुमार चंद्राकर,मनोज केला, विल्सन पी थॉमस,अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण तथा ओपन लिंक्स फाउंडेशन के मुख्य परिचालन अधिकारी विश्वजीत पवार और विनोबा टीम विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे ।इस दौरान विभिन्न विद्यालय,संकुल,ब्लॉक और जिला स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा ।साथ ही संवाद को बढ़ावा देने हेतु टीम एक्टिविटीज,समूह चर्चा एवं रचनात्मक गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी ।सेल्फी पॉइंट्स, शिक्षक विचार मंच तथा उपहार वितरण जैसे तत्व इस आयोजन को और भी जीवंत बनाएंगे।

कार्यालय नगर पंचायत बसना
जिला- महासमुंद (छ.ग.)
Email Id-npbasna@gmail.com, PHONE- 07724247952

क्रमांक/564/न.प./ मु.न.अ./2025-26 बसना दिनांक 25/07/2025

रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)

नगर पंचायत बसना द्वारा Amrut Mitra योजना अंतर्गत समूह चयन के स्व सहायता समूहों से रूचि की अभिव्यक्ति (EOI)- (AMT-CG-BASNA-6959) दिनांक 01/08/2025 को सायं 5.30 बजे तक स्पीडपोस्ट/पंजीकृत डाक द्वारा आमंत्रित की जाती है कार्य का विस्तृत विवरण एवं नियम तथा शर्ते अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से रूपये 100.00 का भुगतान कर प्राप्त कर सकते है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बसना

शासकीय योजनाओं की जानकारी और लाभ वितरण का केंद्र बना नगर पंचायत दाढ़ी

मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने किया शासकीय स्टॉल का निरीक्षण, योजनाओं की सराहना की

बेमेतरा/- नगर पंचायत दाढ़ी में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित विभागीय स्टॉल लगाए गए, जिनका अवलोकन प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, सहित विधायक् गण, जिला अध्यक्ष भाजपा, स्थानीय व जिले के जनप्रतिनिधियों ने किया। इन स्टॉलों के माध्यम से आम नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई एवं पात्र हितग्राहियों को लाभ भी प्रदान किया गया।

उद्यानिकी विभाग ने अपने स्टॉल में फलदार पौधों, सब्जी उत्पादन और ग्रीन हाउस जैसी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही विभागीय योजनाओं के तहत लाभान्वित कृषकों की प्रदर्शन सामग्री भी प्रदर्शित की गई, जिससे अन्य किसान प्रेरित हो सकें।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाया गया। इस स्टॉल पर पात्र हितग्राहियों को उनके स्वीकृत आवासों के स्वीकृति पत्र और चेक भी वितरित किए गए।

कृषि विभाग ने खाद-बीज, कीट नियंत्रण, जैविक खेती, सॉयल हेल्थ कार्ड और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं की जानकारी दी। विभाग ने उन कृषकों की सफलता की कहानियों को भी प्रदर्शित किया जो इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

मत्स्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में मछुआरों के लिए योजनाएं प्रदर्शित की गईं। हितग्राहियों को आइस बॉक्स और मछली पकड़ने के जाल का वितरण भी किया गया, जिससे उनकी आजीविका में सुधार हो सके।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने पोषण अभियान, सूपोषण केंद्र, किशोरी स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी सेवाएं जैसी योजनाओं से जुड़े स्टॉल लगाए। विभाग ने महिला स्व-सहायता समूहों और हितग्राहियों को चेक और पोषण किट प्रदान किए। इस अवसर पर आमजन ने स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और विभागीय अधिकारियों से मार्गदर्शन भी लिया।

भाजपा संगठन की नई टीम घोषित,अनिल चंद्रकार की कप्तानी में 17 पदाधिकारियों को जिम्मेदारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ ने गरियाबंद जिला संगठन के पदाधिकारियों की बहुप्रतीक्षित घोषणा कर दी है ।प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय और गरियाबंद जिलाध्यक्ष अनिल चंद्रकार की अनुशंसा पर कुल 17 पदाधिकारियों की सूची जारी की गई है। यह घोषणा प्रदेश भाजपा कार्यालय से आधिकारिक रूप से की गई ।जिसमे आशीष शर्मा,चन्द्रशेखर साहू महामंत्री,अजय रोहरा कोषाध्यक्ष
राधेश्याम सोनवानी प्रवक्ता ।गुरुनारायण तिवारी,प्रीतम सिन्हा,ईश्वर लाल साहू

पडुलोचन जगत,केशरी ध्रुव,सरिता ठाकुर को उपाध्यक्ष ।सुरेन्द्र सोनटेके,जगदीश यादव,सुरसती साजी,श्रुति ध्रुव,मनीष सिन्हा,वृत्ति बनर्जी को मंत्री बनाया गया ।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अनिल चंद्रकार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ताओं का सम्मान सर्वोपरि है। हमने ऐसे समर्पित और जमीनी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियाँ दी हैं जो संगठन को हर बूथ तक मजबूत करेंगे। यह टीम भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन को घर-घर पहुँचाने का काम करेगी। हमारी पूरी टीम मिशन 2028 की तैयारी में जुट चुकी है।

!! न्यायालय तहसीलदार तहसील पिपरिया जिला-कबीरधाम छ.ग. !!

ईकोर्ट क्र...... ब/121
वर्ष 2024-2025
ग्राम - खपरी प.ह.नं.23

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिव श्रीवास पिता मोहन श्रीवास जाति नाई निवासी ग्राम खपरी तहसील पिपरिया जिला कबीरधाम छ.ग. के द्वारा अपने भाई पवन श्रीवास पिता मोहन श्रीवास के जन्म प्रमाण पत्र के आधार कार्ड जारी कराने एवं अन्य शासकीय कार्य में आवश्यकता पडने् से जारी कराने हेतु आवेदन पस्तुत किया गया है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज पंचनामा, शपथ पत्र, दाखिल खारिज पंजी अनुसार आवेदक के भाई पवन श्रीवास का जन्म तिथि 02/07/1980 को ग्राम खपरी में होना लेख किया गया है।

अत: उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था को दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत तिथि व समय तक दावा/आपत्ति इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 16/07/2025 को जारी किया गया।

पेशी दिनांक -30/07/2025
मुहर
तहसीलदार पिपरिया

न्यायालय तहसीलदार पाटन जिला-दुर्ग छ.ग.

रा.प्र.क्र.20250710090061
ब/121 वर्ष 2024-2025

//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम तरीघाट प.ह.न.36 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचना प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक रूपराम साहू पिता पकलू राम साहू निवासी तरीघाट तहसील पाटन दुर्ग छ.ग. के द्वारा मौजा ग्राम तरीघाट प.ह.न.36 तहसील पाटन में स्थित भूमि खसरा नंबर 492/1, 492/3, 492/4, 497/1 रकबा 0.01, 0.02, 0.02, 0.04 हे0 आवेदक व अन्य के नाम पर दर्ज होना किन्तु मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने से द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत आवेदन पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अत: आवेदक रूपराम साहू पिता पकलू राम साहू निवासी तरीघाट के तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के आधार पर उपरोक्त भूमि का आवेदक को द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने की कार्यवाही पर जिस किसी व्यक्ति /संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 14/08/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 21/07/2025 को जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)

डॉ.गागेंद्र सिंह राजपूत यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित

पाटन (समय दर्शन)। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सांकरा-पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) में पदस्थ डॉ. गागेन्द्र सिंह राजपूत को प्लांट फिजियोलॉजी के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्य के लिये यंग साइंटिस्ट अवार्ड से नवाजा गया. यह सम्मान 20 से 21 जून 2025 को ग्लोबल एग्रीकल्चर कान्फ्रेंस ।ळ्ळ्ध्स्ळ-2025 के समापन समारोह में दिया गया.पूर्व में भी डॉ. राजपूत को कृषि एवं उद्यानिकी मे नवाचार एवं उत्कृष्ठ कार्य के लिये सम्मानित किये जा चूके हैं जिनमें साइंटिस्ट एसोसिएट अवॉर्ड 2018, छत्तीसगढ़ राज्य बेस्ट एनएसएस वॉलिंटियर अवॉर्ड 2020, बेस्ट पीएचडी थीसिस अवार्ड 2023, बेस्ट क्राप फिजियोलॉजिस्ट अवार्ड 2025. डॉ.राजपूत का 10 से अधिक शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय जनरल में प्रकाशित हुआ है, 02 पेटेंट भारत सरकार से,15 से अधिक पापुलर एक्सटेंशन आर्टिकल, 8 से अधिक एब्सट्रैक्ट, 2 बुक/पीएचडी प्रैक्टिकल मैन्युअल एवं किसानों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी आकाशवाणी केंद्र रायपुर से भी प्रसारित हुआ है साथ ही राजपूत द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से लगातार सामाजिक कार्य कर लोगों को जागरूक करने का काम किया जा रहा है जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा , स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति, कुपोषण मुक्त देश, बेटी- बचाओ, बेटी -पढ़ाओ, केंद्र एवं राज्य की महत्वाकांक्षी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने. सड़क सुरक्षा, साइबर क्राइम आदि की जानकारी देकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं. सड़क दुर्घटनाओं में गंभीररूप से घायल व्यक्तियों को तत्काल मदद करने एवं जान बचाने के लिए डॉ राजपूत को यातायात पुलिस रायपुर ने दिनाँक 24.07.2025 को गुड समेरिटन अवार्ड से सम्मानित भी किये. यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित होने पर महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर रवि आर सक्सेना ने बधाई एवं शुभकामनायें दिये.

संक्षिप्त-खबर

जेके लक्ष्मी सीमेंट के रेलवे लाइन के कारण बारिश का पानी भरने से अहिवारा बेरला रोड बाधित , बाईक व छोटे वाहनों का आवागमन बाधित

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। दुर्ग जिले के मलपुरी खुर्द जेके लक्ष्मी की रेलवे लाइन जल्दी के कारण अहिवारा बेमेतरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बारिश के पानी भरने के कारण आवागमन बाधित हो गया। बारिश के कारण जलजमाव की स्थिति बन गयी है। जिस कारण मोटर साइकिल व छोटे वाहनों का आवागमन बाधित हो गया है। मोटर साइकिल व छोटे वाहनों बारिश कि पानी घूस जाने से मोटर साइकिल व छोटे वाहन का इंजन बंद हो सकता है। जिससे कई वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा रेलवे लाइन से जल-जमाव की स्थिति से निपटने व आवागमन चालू करने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए ग्रामीणों ने बताया कि जेके लक्ष्मी रेलवे लाइन में पानी निकासी के लिए अच्छी व्यवस्था नहीं होने के कारण ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। ज्ञात हो जेके लक्ष्मी के रेलवे लाइन निर्माण संबंधित जानकारी ऋक्षद्घ से मंडल रेल प्रबंधक रायपुर से लिए गए जिसमें उन्होंने जेके लक्ष्मी रेलवे लाइन निर्माण संबंधी में जानकारी गोलमोल दिया। रेलवे लाइन निर्माण में खामियों को लेकर जेके लक्ष्मी सीमेंट के अधिकारी मनीष तिवारी से जानकारी ली गई उनका कहना था इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।

बोल बम कांवर यात्रा में हजारों भक्त हुए शामिल, टीला घाट में स्थित शिव मंदिर में किया जलाभिषेक

पाटन। बोल बम कांवर यात्रा समिति के द्वारा आज श्रावण माह के तीसरे सोमवार को भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई। इस कावड़ यात्रा में बोल बम कावड़ यात्रा समिति के संयोजक जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में 25 हजार से अधिक भक्तों ने तोलाघाट स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। इस अवसर पर दूर-दूर से श्रद्धालु कावड़ में जल लेकर पहुंचे थे वहीं खारुन नदी में पानी अत्यधिक होने के कारण नाव की भी व्यवस्था रखी गई थी। भक्तों का आस्था देखते ही बना जो की पूजा अर्चना करके पाटन के तालाब का जल लेकर ठकुराइन टोला के लिए पैदल ही कावड़ लेकर निकले । उनके साथ पूरे कांवड़ियों का जड्था चला रहा। नाव में चढ़कर कांवरिया टोला मंदिर पहुंचे जहां पर पंडित कृष्ण कुमार तिवारी के द्वारा भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक संपन्न कराया गया भक्तों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम कभी आयोजन किया गया वहीं भोग भंडारा का आयोजन भी रहा जिसमें सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया ।इस अवसर पर बोल बम आयोजन समिति की संयोजक जितेंद्र वर्मा ने कहा कि कावड़ यात्रा का यह 14 साल पूरा हो गया है इस बार शिव भक्तों का आस्था देखते ही बना दूर-दूर से कांवरिया पैदल पहुंचे थे उन्होंने प्रदेश के जनता सहित स्थानीय शिव भक्तों की सुख समृद्धि की कामना भी किया इसके बाद मंची कार्यक्रम भी हुआ जिसमें छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिंह , पूर्व विधायक डॉ दयाराम साहू, भाजपा के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, राजेंद्र पाध्येय , नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, सरपंच संघ के अध्यक्ष विनय चंद्राकर, सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक, राजेश वर्मा, शंकर वर्मा ,सुनील वर्मा ,रोशन वर्मा ,दिलीप साहू, नारद साहू, प्रवीण मढ़रिया, संजू वर्मा, केवल देवांगन, सागर साहू, निशा सोनी, रानी बंछोर, केशव बंछोर, दामोदर चक्रधारी, कृष्ण भाले, जगदीश मालपानी, दिनेश मिश्रा, सहित अन्य मौजूद रहे।

तेज बारिश से नदी-नाले उफान पर

बिलासपुर। बिलासपुर और आसपास के क्षेत्रों में लगातार बारिश के चलते नदी-नाले और डैम खतरे के निशान पर बह रहे हैं। इसी बीच कुछ लोग एडवेंचर और सोशल मीडिया के चक्कर में जान की परवाह किए बिना ऐसे जोखिम भरे इलाकों में जा रहे हैं। ऐसा ही मामला कोटा क्षेत्र के कोरी डेम से सामने आया है, जहां वेस्ट वियर में तेज बहाव के बावजूद कुछ युवक नहाते और वीडियो बनाते पाए गए। प्रशासन ने इस इलाके को पहले ही पूरी तरह सील कर दिया था, लेकिन चेतावनियों को नजरअंदाज कर ये युवक वहां पहुंच गए। मामले की सूचना मिलने पर कोटा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। सभी युवक नशे की हालत में थे और सुरक्षा कर्मियों के रोकने के बावजूद बहाव वाले क्षेत्र में घुस गए थे। पुलिस ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई और वहां से खदेड़ दिया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के कार्यक्रम में पत्रकारों की उपेक्षा

बसना (समय दर्शन)। नगर पालिका परिषद सरायपाली द्वारा दिनांक 27 जुलाई 2025 को अटल परिसर के साथ 13 विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री अरुण साव की उपस्थिति में पत्रकारों के साथ हुए दुर्व्यवहार एवं उपेक्षा आहत जिलेभर के पत्रकारों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

कार्यक्रम में जिला ब्यूरो से लेकर स्टेट हेड तक किसी भी प्रमुख पत्रकार को आमंत्रित नहीं किया गया। केवल गिने-चुने लोगों को बुलाया गया था। साथ ही, पत्रकारों के लिए बैठक व्यवस्था तक नहीं की गई थी। जिससे पत्रकार उस भीड़ मे धक्का मुक्की का भी शिकार हुए। व्यवस्था के अभाव में पत्रकारों को लौटना भी पड़ा।

इस उपेक्षा से आहत होकर पत्रकारों ने कार्यक्रम का बहिष्कार किया करते हुए कहा कि जब तक पत्रकारों को उचित सम्मान नहीं मिलेगा, वे इस प्रकार के शासकीय आयोजनों की खबरों का बहिष्कार करेंगे और शासकीय समाचारों का प्रकाशन नहीं करेंगे।

घटना के विरोध में पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़, इकाई-बसना द्वारा 28 जुलाई को कृषि उपज मंडी सभागार बसना में आकस्मिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष सेवकदास दीवान, संगठन महासचिव ऋषिकेशन दास, जिला महासचिव अभय घृतलहरे, पारदेश कार्य समिति सदस्य उत्तर कौशिक, ब्लॉक अध्यक्ष अरुण साहू, फिरोज खान, हेमंत तांडी, दशरथी चौहान, दीपक कुमार जगत, गोवर्धन नंदे, अशोक प्रधान, देव प्रधान, जीत यादव सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी पत्रकारों ने एक स्वर में घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि, पूरे मीडिया जगत का अपमान है।

प्रदेश अध्यक्ष सेवकदास दीवान ने कहा कि पत्रकारों का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैठक में दोषी व जवाबदेह अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए प्रस्ताव पारित किया गया। पत्रकारों ने चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोहराई जाती हैं, तो वे एकजुटता के साथ सभी शासकीय कार्यक्रमों से दूरी बनाएंगे।

सावन के पवित्र महीने में 27 जुलाई दिन रविवार को हर साल की भांती इस साल भी भव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा । जिसमें अहिवारा सहित आस-पास गांव के भक्तगण शामिल हुए7 यात्रा द्दश्संघ त्ठक्की घाट से शुरू हुई जहां भक्तगण कांवड में जल भरकर निकले7 राह में जलपान की व्यवस्था समाज सेवी संगठन के द्वारा की गई थी 7अहिवारा पहुंचने पर छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारी और सेनानियों के द्वारा काँवड़ यात्रियों का फूल वर्षा करके भव्य स्वागत किया गया और बोल बम ,हर हर महादेव का जय घोष करके सभी का उत्साहवर्धन और हार्दिक अभिनंदन किया गया 7 स्वागत के लिए कौशल साहू जिला उपाध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी दुर्ग ग्रामीण ,धर्मेंद्र साहू जिला उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना भिलाई नगर, पिंकी कौशल साहू छाया पार्षद वार्ड 08 जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी, परमेश्वर ठाकुर,गोवर्धन ताम्रकार, कमलेश मारकंडे महामन्त्री छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना अहिवारा नगर,बसंत साहू उपाध?यक्ष छत्तीसगढिया क्रांति सेना अहिवारा नगर,आज़ाद सिंह सिवारे उपाध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी अहिवारा नगर ,महेश यादव, हितेश यादव, नोहर रावत,रमेश साहू, नारायण साहू,भीखम साहू, खेमलाल खरे,विकास लहरे, भूपेन्द्र लहरे,छोटू यादव, राकेश राजपूत, विजय लहरें वे अन्य सेनानी गण उपस्थित

फाइनेंस कंपनी में काम करने वाला युवक तीन दिन से लापता

■ जंगल में मिली जली हुई बाइक, पुलिस जांच में जुटी

पिथौरा (समय दर्शन)। पिथौरा थाना क्षेत्र में निजी फाइनेंस कंपनी में काम करने वाला युवक अमित चौधरी 25 जुलाई की शाम से लापता है। रविवार को उसकी बाइक जंगल में जली हुई हालत में मिली।युवक को आखिरी बार बस स्टैंड के पास देखा गया था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लापता होने की घटना और प्रारंभिक जानकारी- मिली जानकारी के अनुसार, अमित चौधरी निजी फाइनेंस कंपनी में काम करता था।वह 24-25 जुलाई की दरमियानी रात अपने घर से करीब 6 बजे शाम को निकला था। इसके बाद उसे अंतिम बार पिथौरा बस स्टैंड के पास एक होटल में देखा गया था।रात करीब 1 बजे उनका मोबाइल नंबर बंद हो गया, जिसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने जब अमित के घर न लौटने की सूचना मिली, तो उनके छोटे भाई अमन चौधरी ने 25 जुलाई को रात 6 बजे स्थानीय थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

जंगल में जली हुई बाइक की खोज : पुलिस को रविवार, 27 जुलाई को सूचना मिली कि पीलवापाली के एक जंगल में एक बाइक जली हुई हालत में पड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पुष्टि की कि यह बाइक अमित चौधरी की है. थाना प्रभारी टी.आई उमेश वर्मा ने बताया कि बाइक की स्थिति संदिग्ध है और इसे जलाए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच करवा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि आग लगने का कारण क्या था और क्या यह किसी साजिश का हिस्सा है।

पुलिस की सक्रियता और जांच : पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई शुरू की है । थाना प्रभारी टी.आई उमेश वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल गठित किया गया है, जो अमित के लापता होने के कारणों और बाइक जलने की घटना की तह तक जाने के लिए काम कर रहा है।

पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए हैं और बस स्टैंड के पास स्थित होटल के कर्मचारियों व अन्य गवाहों से पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा, अमित के मोबाइल की कॉल डिटेल्स और लोकेशन हिस्ट्री की भी जांच की जा रही है।

टी.आई उमेश वर्मा ने बताया, हम सभी संभावित एंगल से जांच कर रहे हैं। यह एक गंभीर मामला है, और हम यह पता लगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि अमित चौधरी कहां हैं और उनकी बाइक को क्यों जलाया गया। जनता से अपील है कि अगर किसी के पास इस संबंध में कोई जानकारी हो, तो वह तुरंत पुलिस से संपर्क करे.

बता दें कि,अमित चौधरी, पिथौरा निवासी, एक निजी फाइनेंस कंपनी में कार्य करता था । परिजनों के अनुसार, वह एक मेहनती और जिम्मेदार व्यक्ति था। 25 जुलाई को वह शाम को घर से निकला था, लेकिन उसके बाद उसका कोई पता नहीं चला। परिजनों ने बताया कि अमित का व्यवहार सामान्य था और उसने कोई ऐसी बात नहीं बताई थी जिससे किसी खतरे की आशंका हो।

परिजनों का दुख और पुलिस से अपील : अमित के छोटे भाई अमन चौधरी ने पुलिस से जल्द से जल्द उनके भाई का पता लगाने की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा, मेरे भाई के लापता होने से पूरा परिवार परेशान है हम चाहते हैं कि पुलिस इस मामले को जल्द सुलझाए और मेरे भाई को सुरक्षित घर वापस लाए. पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन शुरू किया है और जंगल के आसपास के इलाकों में गश्त बढ़ा दी है।इसके साथ ही, स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

हरेली तिहार एवं न्योता भोज का आयोजन कोकड़ी और पेंड्रीतराई स्कूल में

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा शासकीय प्राथमिक शाला कोकड़ी, प्राथमिक शाला एवम् पूर्व माध्यमिक शाला पेंड्रीतराई ,संकुल सेमरिया वि ख धमधा दुर्ग में दिनांक में हर्षोउल्लास के साथ हरेली तिहार मनाया गया एवं सरपंच श्रीमती दीपा महिलांग , श्री मुपेश महिलांग ने आपनी पुत्री रुचिता के जन्म उत्सव के अवसर पर प्राथमिक शाला कोकड़ी, पेंड्रीतराई,पूर्व माध्यमिक शाला पेंड्रीतराई एवं आंगनबाड़ी के सभी बच्चो को न्योता भोजन खीर , पूरी , खिलाया गया ! शासन के महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री सुपोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत न्योता भोज से बच्चो का लाभान्वित किया जाता है। शालाओं में हरेली त्योहार के अवसर पर हरेली उत्सव मनाया गया, सांस्कृतिक कार्यक्रम,खेल,गेड़ी एवम् अन्य पारंपरिक गतिविधियो का आयोजन किया गया।सरपंच दीपा महिलांग, मूपेश महिलांग और उनकी पुत्री रुचिता महिलांग के द्वारा एक पेड़ मां के नाम थीम पर वृक्षारोपण शाला परिसर में किया गया।इस अवसर पर सरपंच ग्राम पंचायत पेंड्रीतराई ,श्रीमती दीपा महिलांग मुपेश महिलांग ,एस,एम,सी,अध्यक्ष श्रीमती नोमिन डहरिया , प्रधान पाठक दीप्ति किरण तिर्की,प्रधान पाठक श्री खिलेंद्र बघेल ,प्रधान पाठक थानसिंह चुरेंद्र,,सूर्य प्रकाश सोनकडे , नीलम शशि कुजूर, षडानन्द देशलहरे,मिथलेश कुमार जायसवाल,चंद्रकांत शिक्षक,श्रीमती बेला महिलांग , मोंगरा बाई , कीर्तन , सत्यभामा महिलांग , पूजा यादव आदि की गरिमामय उपस्थिति में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया !बिटिया की जन्मदिन मनाते हुए शालेय परिवार ने उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं के आशीर्वाद दिए और उपहार भेंट किए।

हाई स्कूल बड़ेटेमरी में धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

■ कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि महंत लखन मुनि साहेब ने बच्चों को दिया आशीर्वाद

■ संघ परिवार के सदस्य हुए शामिल

बसना (समय दर्शन)। पवित्र श्रावण मास के उत्तरार्ध मे बसना विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल बड़ेटेमरी में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान प्राचीन कबीर कुटी तरेकेला के महंत लखन मुनि साहेब जी ,राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ खण्ड चालक सोनू श्रीवास्तव बतौर अतिथि शामिल हुए ।

यहाँ अध्यनरत सभी छात्र-छात्राओं के पालक गण विशेष रूप से उपस्थित थे। हाई स्कूल बड़ेटेमरी के प्राचार्य शरद कुमार प्रधान के नेतृत्व में यह कार्यक्रम उल्लासपूर्ण वातावरण मे मनाया गया।

महंत लखन मुनि साहेब ने बच्चों को गुरू महत्ता पर प्रकाश डालते हुए प्रेरित किया।

व्यशन मुक्त जीवन शैली से अपने पवित्र शरीर का रक्षा करने पर बल दिया एवं बताया कि,गुरु हमे अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं । गुरू पूर्णिमा भारत में अपने आध्यात्मिक या फिर अकादमिक गुरुओं के सम्मान में, उनके वंदन और उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए मनाया जाने वाला पर्व है। हम सब मनुष्यों के जीवन निर्माण में गुरुओं की अहम भूमिका होती है। ऐसे में माना जाता है कि जिन गुरुओं द्वारा हमे गढ़ने में अपना योगदान दिया है, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव बनाए रखना चाहिए और इसी भाव को जीवंत बनाये रखने गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है।

प्राचार्य शरद कुमार प्रधान ने कहा कि, गिरति अज्ञानान्धकार मइति गुरुः अर्थात् जो अपने सदुपदेशों के माध्यम से शिष्य के अज्ञानरूपी अंधकार को नष्ट कर देता है, वही गुरु है। गुरु सर्वेश्वर का साक्षात्कार करवाकर शिष्य को जन्म-मरण के बंधन से मुक्त कर देते हैं। अतएवं संसार में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। रामचरित मानस के आरंभ में गोस्वामी तुलसीदास गुरु की वंदना करते हुए वंदे बोधमयं नित्यं गुरु शंकर रूपिणम् कहकर आदि गुरु सदाशिव का स्थान दिया है।

गुरु पूर्णिमा कार्यक्रम में मुख्य रूप से शिक्षक कौशिक सामल, पुरूषोत्तम साहू, समाजसेवी सोनू श्रीवास्तव, लखनमुनी साहेब,पालकगण में जुजेष्ठी यादव, धनेश्वर जगत, ईशराम ड़डसेना, जागेश्वर यादव, सेतलाल साव, शिवलाल डड़सेना, चित्रसेन यादव, विजय जगत, योगेश कुमार, छबिलाल, रंजीत पटेल, अनिल दास, श्रीमती मोहन मोती, हटोबाई, श्रीमती राजेश्वरी नायक, काराबाई, पदमा सागर, पहाड़ सिंह जगत, प्रेमलाल पटेल, मन्नू राम पटेल, विश्वनाथ यादव सहित काफी संख्या में पालक गण एवं ग्रामीण जन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27